www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 216 ●ठाणे, शनिवार 2 मई, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

जीवा महाला बन सलमान खान ने मचाया तहलका

पेज 8

चुनौती को मौके में बदलना जानते हैं रोहित-विराट: धवन

8 पेज

सुप्रभात

सच्चा पड़ोसी वह नहीं जो तुम्हारे साथ उसी मकान में रहता है, बल्कि वह है जो तुम्हारे साथ उसी विचार-स्तर पर रहता है। - **रामतीर्थ**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (2 मई) 7:02 बजे, सूर्योदय (3 मई) 6:11 बजे, **तापमान: 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शुरू हुआ मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे का मिसिंग लिंक, अब सिर्फ 90 मिनट में मुंबई से पहुंचेंगे पुणे, अब खत्म होगा खंडाला घाट में लगनेवाले ट्रैफिक जाम का झंझट

मिसिंग लिंक नहीं अब ये कनेक्टिंग लिंक है

लोकार्पण के बाद बोले सीएम फडणवीस

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

यशवंतराव चव्हाण मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले यात्रियों को महाराष्ट्र दिन पर बड़ी सौगात मिली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बहुप्रतीक्षित 13.3 किलोमीटर लंबी मिसिंग लिंक परियोजना का शुक्रवार को उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने एक्सप्रेसवे के खालापुर (रायगढ़ जिला) छोर पर मिसिंग लिंक का उद्घाटन करने के बाद परियोजना के लोनावला जाने वाले मार्ग पर मर्सिडीज बेंज एसयूवी चलाई, इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाहन में उनके पास बैठे थे। यह परियोजना खड़ी चढ़ाई वाले पहाड़ी दर्रे के हिस्से से बाहर-बाहर गुजरती है और इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना तथा दोनों प्रमुख शहरों (मुंबई और पुणे) के बीच यात्रा के समय को कम करना है। फडणवीस ने मिसिंग लिंक परियोजना को इंजीनियरिंग का चमत्कार करार देते हुए कहा कि 7,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह ऐतिहासिक परियोजना महाराष्ट्र में निवेश, कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर 70,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद करेगी। मिसिंग लिंक परियोजना के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अब इसे मिसिंग लिंक नहीं बल्कि अब कनेक्टिंग लिंक कहा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब इसे मिसिंग लिंक कहना गलत होगा, बल्कि यह पुणे और मुंबई को जोड़ने वाला एक कनेक्टिंग लिंक है।

ट्रैफिक जाम से राहत

खंडाला घाट के चुनौतीपूर्ण घुमावों और ट्रैफिक जाम से अब यात्रियों को हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। अब तक मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर खंडाला और लोनावला के बीच 'अडोशी सुरंग' से 'खंडाला एक्जिट' तक का हिस्सा काफी संकरा और खतरनाक था। मानसून के दौरान भूस्खलन और भारी ट्रैफिक के कारण यहां घंटों जाम लगा रहता था। 'मिसिंग लिंक' ने उस कठिन हिस्से को बाईपास कर दिया है। अब वाहन सीधे सुरंगों और ऊंचे पुलों के माध्यम से तेज गति से निकल सकेंगे, जिससे ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। मुंबई और पुणे के बीच की दूरी न केवल कम हुई है, बल्कि यात्रा के समय में भी लगभग 30 मिनट की बड़ी बचत होगी।

नहीं बढ़ेगा टोल का पैसा

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परियोजना के कारण रायगढ़ जिले के खालापुर टोल प्लाजा सहित कहीं भी टोल बढ़ोतरी का कोई प्रस्ताव नहीं है। एमएसआरडीसी ने बताया कि टनल का निर्माण नई ऑस्ट्रियाई पद्धति (एनएटीएम) से किया गया है। इसके लिए सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में अलग-अलग प्रकार की चट्टानों पर व्यापक भूगर्भीय अध्ययन किए गए। पहली टनल की लंबाई 1.58 किलोमीटर है, जबकि दूसरी टनल की लंबाई 8.86 किलोमीटर है।

2010 से रुका था मिसिंग लिंक का काम

प्रोजेक्ट के इतिहास पर चर्चा करते हुए फडणवीस ने बताया कि मिसिंग लिंक की संकल्पना पहली बार साल 2010 में की गई थी। उन्होंने बताया कि साल 2014 तक इसका सर्वे हुआ और इसके बाद इसकी एक रिपोर्ट पेश की गई। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसके न करने के लिए 13 अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए इसकी फाइल बंद कर दी थी। इसमें से एक कारण यह भी दिया गया था कि यह लोनावला तालाब के नीचे से जा रहा है इसलिए इसे पूरा नहीं किया जा सकता। सीएम फडणवीस ने कहा कि जब महायुति की सरकार बनी, तब मैंने स्वयं अधिकारियों से इस प्रोजेक्ट की जानकारी ली। मैंने पूछा कि अगर यह लोगों का समय और ईंधन बचा सकता है, तो हम इसे क्यों नहीं कर सकते? इसके बाद प्रोजेक्ट की बाधाओं को दूर कर इसे युद्ध स्तर पर पूरा किया गया।

बन गया रेकॉर्ड... मुंबई-पुणे के बीच यात्रा को रोमांचक बनाने वाले 13.3 किमी लंबे मिसिंग लिंक पर देश का सबसे ऊंचा 180 मीटर का केबल स्टे ब्रिज बनाया गया है। सह्याद्रि के दो पर्वतों के बीच बना यह केबल स्टे ब्रिज इंजीनियरिंग का शानदार मॉडल है। दो दुर्गम पहाड़ों को जोड़ने वाले इस ब्रिज को बनाने में उन्नत इंजीनियरिंग का सहारा लिया गया। इसके साथ ही यहां 23.3 मीटर की दोहरी सुरंग बनाई गई है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के माध्यम से देश की प्रमुख स्वदेशी कंपनी एफकॉन्स ने इन आइकॉनिक केबल स्टे ब्रिज का निर्माण किया है। इसके लिए इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है।

लोकार्पण समारोह में ये रहे मौजूद

मिसिंग लिंक के केबल स्टे ब्रिज एवं सड़क सुरंग का लोकार्पण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के हाथों हुआ। इस समारोह में सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले, राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डिकर, मंत्री अदिति तटकरे, मंत्री भरत गोगावले, माधवीताई मिसाल, सांसद सुनील तटकरे, श्रीरंग बारणे, अपर मुख्य सचिव मिलिंद मैहसकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा मैहस्कर, एमएसआरडीसी के उपाध्यक्ष अनिल कुमार गायकवाड़, एफकॉन्स कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। एमएसआरडीसी के एमडी अनिल कुमार गायकवाड़ ने अतिथियों का स्वागत किया।

दो घंटे से फंसी हूं...

शरद पवार की एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई से पुणे जा रही थीं लेकिन मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर वह ट्रैफिक जाम में दो घंटे से ज्यादा समय तक फंसी रह गईं। ट्रैफिक जाम में फंसी सांसद ने उस लंबे रोड जाम का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने आस-पास मौजूद गाड़ी चलाने वाले लोगों से बातचीत करती दिख रही हैं। उस वीडियो में सांसद ने अपनी पीड़ा जताते हुए कहा, "2 घंटे हो गए हैं।"

दुनिया की सबसे चौड़ी टनल में से एक

ये टनल करीब 23.5 मीटर चौड़ी हैं और दुनिया की सबसे चौड़ी सड़क सुरंगों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 'गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में मान्यता के लिए आवेदन किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, 650 मीटर लंबा पुल भारत का सबसे ऊंचा सड़क केबल आधारित पुल है। करीब 95 किलोमीटर लंबा मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे भारत का पहला नियंत्रित प्रवेश वाला राजमार्ग है।

नामुमकिन को मुमकिन करती है महायुति सरकार: एकनाथ शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। वाकई में अब यह मिसिंग नहीं अर्थव्यवस्था का कनेक्टिंग लिंक हो गया है। जो हो नहीं सकता या नामुमकिन होता है उसे महायुति सरकार करती है। मिसिंग लिंक उसका उदाहरण है। इसका भूमिपूजन और लोकार्पण भी हमी लोगों ने किया। एक्सप्रेस वे की शुरुआत भी स्व.बालासाहेब की पहल पर नितिन गड़करी ने की थी। स्व.अजित पवार को भी मुंबई पुणे मिसिंग लिंक के को लेकर काफी लगाव था।

हमने जोड़ी विकास की टूटी कड़ी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कोई साधारण निर्माण नहीं है। खराब मौसम, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और पहाड़ों के बीच काम करना एक बड़ी चुनौती थी, यहां का मौसम अक्सर काम में बाधा डालता था, लेकिन हमारे एमएसआरडीसी विभाग ने हार नहीं मानी। यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है और इसमें दुनिया की सबसे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

बालासाहेब ठाकरे को समर्पित उपलब्धि

भावुक होते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, आज जब हम बालासाहेब ठाकरे का जन्मशताब्दी वर्ष मना रहे हैं, तो इस प्रोजेक्ट का पूरा होना उनके लिए सबसे बड़ी और सच्ची श्रद्धांजलि है। उल्लेखनीय है कि मिसिंग लिंक के कामकाज में डीसीएम शिंदे ने विशेष रुचि ली।

महाराष्ट्र दिवस: 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी, नौकरियों का मेगा प्लान

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने बताया विजन 2047

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र राज्य के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में आयोजित समारोह में बोलते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार का विकसित महाराष्ट्र 2047 विजन दस्तावेज राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से समावेशी और उन्नत महाराष्ट्र के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्रता के अमृतकाल के बाद भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और इसमें महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने घोषणा की कि राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देगा।

दावोस में 31.25 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए

राज्यपाल ने वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में महाराष्ट्र की बढ़ती प्रतिष्ठा बात करते हुए कहा कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर 31.25 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य की नई औद्योगिक नीति का लक्ष्य 70.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करना है, जिससे संभावित रूप से 50 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रोटोकॉल विभाग के भीतर एक समर्पित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश डेस्क स्थापित किया गया है।

महाराष्ट्र के इंफ्रास्ट्रक्चर पर की बात

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने बताया कि राज्य ने मित्रा (महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) द्वारा तैयार की गई पीपीपी पॉलिसी 2026 को मंजूरी दे दी है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का नया प्रवेश द्वार बनने के लिए तैयार है। मेट्रो लाइन-3 (एक्वा लाइन) पूरी तरह से चालू है और मुंबई महानगर क्षेत्र में 340 किलोमीटर लंबे जलमार्ग नेटवर्क का विकास किया जा रहा है। पालघर में स्थित वाढवण बंदरगाह, जो भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह बनने जा रहा है, से 12 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

सीएम फडणवीस ने अल नीनो के खतरे से आगाह किया

महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की जनता को संबोधित किया। उन्होंने तेजी से औद्योगिक विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को सामने रखा और साथ ही आने वाले मॉनसून के संबंध में कृषि क्षेत्र को एक चेतावनी भी दी। मौसम विभाग के पूवार्नुमानों का हवाला देते हुए, उन्होंने सलाह दी कि अल नीनो प्रभाव के कारण 2026 के मौसम में बारिश औसत से कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि हमारा खरीफ मौसम पूरी तरह से बारिश पर निर्भर है। मैं किसानों से आग्रह करता हूं कि वे इन पूर्वानुमानों को गंभीरता से लें। बुवाई करने में जल्दबाजी न करें। थोड़ा इंतजार करें और अपनी फसलों को नुकसान से बचाने के लिए कृषि विभाग द्वारा जारी किए गए विशेष दिशा-निर्देशों का पालन करें।

उद्धव, राज ठाकरे ने हुतात्मा चौक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र दिवस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हुतात्मा चौक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वहीं शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई व महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के शहीदों को हुतात्मा चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्धव ठाकरे अपने बेटे और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे, पार्टी सांसदों संजय राउत, अनिल देसाई, अरविंद सावंत, पार्टी विधायकों सुनील प्रभु और बाला नार सहित अन्य लोगों के साथ पहुंचे। एक मई को ही महाराष्ट्र राज्य का 1960 में गठन किया गया था। दक्षिण मुंबई स्थित स्मारक संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के 106 शहीदों की याद में बनाया गया है, जिसके फलस्वरूप राज्य का गठन हुआ था। राज ठाकरे ने भी हुतात्मा चौक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, राकांपा (एसपी) और कांग्रेस के नेताओं ने भी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शॉर्ट स्टोरी

भारत ने लॉन्च किया ऑपरेशन ग्लोबल हंट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत में अपराध करके विदेशों में छिपे बैठे अपराधियों के खिलाफ भारतीय एजेंसियों ने अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभियान ऑपरेशन ग्लोबल हंट शुरू किया है। इसके तहत करीब 100 भगोड़े अपराधियों को पकड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए एनसीबी, सीबीआई, ईडी और एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियां इंटरपोल के साथ मिलकर दुनिया भर में संयुक्त कार्रवाई करेंगी। जांच एजेंसियों के रडार पर आसिफ इकबाल मेमन, हाजरा इकबाल मेमन, जुनैद इकबाल मेमन, हरमीत सिंह, प्रदीप सिंह, परमजीत ढालीवाल, सनी कालरा, जसविंदर सिंह, टिसन बिश्नोई, हाजी सलीम और संदीप धुनिया जैसे बड़े नाम हैं।

बच्ची को दिखाया प्राइवेट पार्ट, एसीपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के वरली इलाके के एक सार्वजनिक उद्यान में 9 वर्षीय नाबालिग बच्ची के सामने अश्लील हरकत और छेड़छाड़ के आरोप में एसीपी स्तर के अधिकारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। वरली पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित बच्ची बीते दिन वरली स्थित सिंह गार्डन में खेलने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी अधिकारी वहां पहुंचा और बच्ची के सामने अशोभनीय हरकत करते हुए उसे अपने निजी अंग को छूने के लिए कहा। बच्ची घबरा गई और घर लौटते ही उसने अपनी मां को पूरी बात बताई।

बर्ड फ्लू का खतरा, मारी जाएंगी लाखों लाख मुर्गियां

हिंदमाता नेटवर्क @ नंदुरबार

देश में बर्ड फ्लू के संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू से खासी तबाही मची है। नंदुरबार के नवापुर के एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद करीब 1 लाख 40 हजार मुर्गियों को मारने का आदेश जारी किया गया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाली मुर्गियों को भी मारा जाएगा। संक्रमित मुर्गियों को मारने का काम शुक्रवार से शुरू किया गया है। नवापुर तालुका के 3 पोल्ट्री फार्म के सैंपल इंदौर की प्रयोगशाला में भेजे गए थे, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अब नवापुर क्षेत्र के सभी पोल्ट्री फार्म के सैंपल लिए जाने के आदेश दिए गए हैं।

कारोबारी से ठगी, खरात को चार दिन की हिरासत

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक की एक अदालत ने शुक्रवार को स्वयंभू बाबा अशोक खरात को पुणे के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपए से अधिक की ठगी के मामले में चार मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात से जुड़े मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 30 अप्रैल को अदालत में आवेदन दायर कर इस ठगी मामले में उनकी हिरासत मांगी थी। स्वयंभू बाबा के खिलाफ दर्ज यह नौवां मामला है। अन्य आठ मामलों में खरात पर महिलाओं के यौन शोषण के आरोप हैं। सुरक्षा कारणों से अदालत की कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई और खरात को कोर्ट में पेश नहीं किया गया।

सांसद हेमंत सावरा हुए हादसे का शिकार

डंपर ने कार को मारी टक्कर, ड्राइवर का हाथ टूटा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भाजपा सांसद हेमंत सावरा कार हादसे का शिकार हो गए। एक तय कार्यक्रम में शामिल होने जाते समय उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। गनीमत रही कि सांसद को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि उनके ड्राइवर का हाथ टूट गया। पालघर से बीजेपी सांसद डॉ. हेमंत सावरा के साथ यह हादसा सुबह घोड़बंदर रोड पर हुआ। वे महाराष्ट्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए ठाणे से पालघर जा रहे थे। हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण पुलिस ने सांसद की गाड़ी को सड़क की विपरीत दिशा से जाने का निर्देश दिया, तभी एक तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी।

एयर बैग खुलने से बची जान

इस हादसे में सांसद हेमंत सावरा को मामूली चोटें आई हैं, जबकि उनके ड्राइवर का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। टक्कर के कारण सांसद की कार को काफी नुकसान पहुंचा है। टक्कर के दौरान कार के एयरबैग तुरंत खुल गए,जिससे बड़ा नुकसान टल गया और उसमें सवार लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 993 रुपए महंगा

पेट्रोल-डीजल की भी बढ़ सकती हैं कीमतें: राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 1 मई से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए की बड़ी बढ़ोतरी कर दी है। इसका असर सिर्फ आपके घर के खाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई जरूरी चीजें महंगी हो सकती हैं। कमर्शियल एलपीजी का इस्तेमाल होटल, रेस्तरां, चाय-समोसा की दुकानें, कैटरिंग सर्विस और फूड बिजनेस में होता है।

गैस के बाद पेट्रोल-डीजल की बढ़ सकती हैं कीमतें

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि चुनावों के बाद ऐसा होगा। उन्होंने इसे महंगाई का बड़ा संकेत बताया और छोटे व्यवसायों व आम जनता पर इसके असर को लेकर चिंता जताई। यह चुनावों का बिल है। फरवरी से अब तक 1,380 की बढ़ोतरी सिर्फ 3 महीनों में 81% की भारी उछाल आया है।" राहुल गांधी ने आगे और बढ़ोतरी की भी चेतावनी दी, और कहा कि गैस के बाद, पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

परिवहन विभाग की नई गाइडलाइन

यात्रियों से ताई-मावशी और भाऊ-काका कहें ड्राइवर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र दिवस 1 मई से राज्य में सभी ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा में संवाद करना अनिवार्य करने के निर्णय को लेकर अनबन के बीच परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मराठी नहीं जानने पर तत्काल लाइसेंस रद्द करने के नियम को सरकार ने रोक दिया है। लेकिन परिवहन विभाग ने ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए यात्रियों के साथ बेहतर व्यवहार और संवाद स्थापित करने को लेकर एक विशेष निर्देश जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि ड्राइवर महिलाओं को ताई-मावशी और पुरुष यात्रियों को भाऊ-काका कहें, परिवहन विभाग ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा बोलने का नियम लागू करने का फैसला किया है।

भाषा के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं : सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के निवासियों को मराठी सीखने के प्रयास करने चाहिए, लेकिन भाषा के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती। महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर हुतात्मा चौक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद फडणवीस ने पत्रकारों से बात की। महापौर रितु तावड़े भी मौजूद रहीं।

हिंदमाता एंकर: निजामुद्दीन-मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन, सटीक सूचना से धरी गई नाशिक की महिला

ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक में एनसीबी को बड़ी कामयाबी, 1745 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई और उससे जुड़े लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय कोकीन तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। 'ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक' के तहत एजेंसी ने करीब 349 किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 1,745 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह ऑपरेशन पिछले छह महीनों से अधिक समय तक चली खुफिया निगरानी और सूचनाओं के आधार पर अंजाम दिया गया।

गोदामों और छिपे वाहनों का इस्तेमाल

जांच एजेंसी को मिले पुख्ता इनपुट के बाद एनसीबी की कई टीमों ने नवी मुंबई के कलंबोली से लेकर ठाणे के भिवंडी तक फैले लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एक अत्यंत संगठित ट्रांसनेशनल ड्रग सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो वेयरहाउस और छिपे हुए परिवहन तरीकों का इस्तेमाल कर रहा था।

अमित शाह ने एजेंसी की पीठ थपथपाई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा-हम नशीले पदार्थों के गिरोह को पूरी तरह से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। एनसीबी ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मुंबई में 1,745 करोड़ रुपए की कीमत वाली 349 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह 'बॉटम-टू-टॉप' दृष्टिकोण का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप का पता लगाते हुए एक विशाल नेटवर्क को पकड़ लिया। इस बड़ी सफलता के लिए एनसीबी टीम को बधाई।

ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार

दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुदीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। सूरत रेलवे स्टेशन पर डीआरआई (डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की टीम ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 6.30 करोड़ रुपए की मेथम्फेटामाइन ड्रग्स बरामद हुई है। आरोपी महिला नाशिक की रहने वाली बताई जा रही है और बेहद शातिर तरीके से ड्रग्स को छिपाकर यात्रा कर रही थी। इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

मिली थी सटीक सूचना

डीआरआई को पहले से ही गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली से मुंबई जाने वाली ट्रेन में एक महिला भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर सफर कर रही है। सूचना इतनी सटीक थी कि उसमें महिला की सीट संख्या तक शामिल थी। इसी इनपुट के आधार पर अधिकारियों ने सूरत रेलवे स्टेशन पर जाल बिछाया और ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को घेर लिया।

नाशिक की महिला गिरफ्तार

जब अधिकारियों ने महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच की, तो असली सच्चाई सामने आई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे। ऊपर से कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को भी शक न हो सके। इस बेहद चालाकी भरे तरीके को देखकर जांच टीम भी हैरान रह गई। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 6.30 करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो नाशिक की रहने वाली है।

तेरह स्कूलों को भेजा नोटिस

मैदानों के भूखंड से कब्जा हटाने के लिए सिडको ने सख्त किए तेवर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शहर के बच्चों को खेल मैदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शैक्षणिक संस्थानों को लीज पर सिडको द्वारा मैदान दिया गया था, किंतु शैक्षणिक संस्थाओं ने उन मैदानों पर टर्फ लगाकर किराए पर देने का काम शुरू कर दिया, जिस पर स्थानीय लोगों ने तीखी नाराजगी व्यक्त की। लोगों की नाराजगी को देखते हुए सिडको ने कब्जा हटाने के लिए 13 शैक्षणिक संस्थाओं को नोटिस जारी किया है। सिडको द्वारा नोटिस भेजे जाने के बाद आम नागरिकों को उम्मीद जगी है कि स्मार्ट सिटी के बच्चों को छुट्टियों में और स्कूल के समय के बाद मुफ़्त में खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि, पेरेंट्स इस बात पर शक जता रहे हैं कि क्या यह कार्रवाई सिर्फ.नोटिस तक ही सीमित रहेगी या ग्राउंड असल में खाली भी हो पाएंगे।

कुछ को लीज पर तो कई को किराए पर मैदान

नवी मुंबई शहर को विकसित करते समय सिडको ने कई एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को दो अलग-अलग तरीकों से प्लॉट दिए हैं। कुछ शैक्षणिक संस्थाओं को लीज पर कुछ को किराए पर दिया है। हालांकि, शिकायतें बढ़ीं कि कुछ इंस्टीट्यूशन ने इन ग्राउंड के आम बच्चों के खेलने पर रोक लगा दी और लोगों को अंदर आने से मना कर दिया। इस पर ध्यान देते हुए जब सिडको ने सर्वे किया, तो पता चला कि 13 इंस्टीट्यूशन ने अलग-अलग तरीकों से ग्राउंड पर कब्जा कर रखा था।

नियमों का पालन न होने पर सख्त कार्रवाई

सिडको के सूत्रों के मुताबिक, सर्वे के बाद सिडको के सिटी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने करीब 13 स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी करके कब्जा हटाने की नोटिस दी है। नोटिस में तुरंत कब्जा हटाने और मैदान खाली करने का भी आदेश दिया गया है। नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सिडको को शिकायतें मिली थीं कि चूंकि कई स्कूल मैनेजमेंट मैदान पर बड़े-बड़े जाल लगाकर टर्फ बना रहे हैं और कुछ घंटों के लिए टर्फ किराए पर दे रहे हैं। इसलिए मैदान का इस्तेमाल शहर के सिर्फ उन्हीं लोगों को दिया जा रहा है जिनके पास खेलने के लिए पैसे हैं। हालांकि सिडको की इस कार्रवाई से मैदान सभी के लिए खुलने का रास्ता साफ हो रहा है।

लीज की बजाय किराए पर जमीन देने की पालिसी अपनाई

2008 के बाद, सिडको ने लीज की बजाय किराए पर जमीन देने की पॉलिसी अपनाई 2008 से पहले, सिडको ने स्कूल बनाने और जमीन इस्तेमाल करने के लिए एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को लीज पर प्लॉट दिए थे। इन इंस्टीट्यूशन ने ये जमीनें कम रेट पर लीं। लेकिन, जैसे ही उन्हें लीज के जरिए मालिकाना हक मिला। कुछ इंस्टीट्यूशन ने इन जमीनों पर कंस्ट्रक्शन करना और प्राइवेट तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इस बारे में लोगों से बार-बार शिकायतें मिलने के बाद, सिडको ने अपनी पॉलिसी बदली और 2008 के बाद लीज पर प्लॉट देने का फैसला किया। इस नई पॉलिसी से, सिडको का जमीन पर कुछ कंट्रोल और अधिकार बना रहा।

महाराष्ट्र दिवस पर पुलिस की बड़ी पहल, 4.82 करोड़ रुपए का जब्त माल लौटाया

नागरिकों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर ,वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए अपराधों में जब्त किए गए करोड़ों रुपये के कीमती सामान को उसके वास्तविक मालिकों को लौटाया। यह कार्यक्रम मीरा रोड पूर्व स्थित शहनाई हॉल में सुबह 10:30 बजे आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक, अधिकारी और पत्रकार उपस्थित थे। पुलिस उप आयुक्त, जोन-1 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पुलिस थानों में जब्त की गई कुल 4 करोड़ 82 लाख 64 हजार 979 रुपए मूल्य की संपत्ति शिकायतकताओं को विधिवत सौंपी गई। इस पहल से पीड़ितों को न केवल आर्थिक राहत मिली, बल्कि पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ।

पुलिस की पहल बनी मिसाल

पुलिस प्रशासन की इस पहल को नागरिकों ने बेहद सराहा। यह कदम न केवल कानून व्यवस्था की मजबूती को दशार्ता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि पुलिस सिर्फ अपराधियों को पकड़ने तक सीमित नहीं, बल्कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है ।महाराष्ट्र दिवस पर यह पहल पुलिस और जनता के बीच भरोसे के रिश्ते को और मजबूत करने वाली साबित हुई।

लौटाई गई संपत्ति का विवरण

वाहन: 8 (मूल्य: 15,58,000 रुपए)

सोना: 1833.51 ग्राम (मूल्य: 2,73,02,380 रुपए)

चांदी: 2271.74 ग्राम (मूल्य: 5,67,937 रुपए)

नकद राशि: 8 मामलों में बरामद 44,35,000 रुपए

मोबाइल फोन: 156 (मूल्य: 27,53,950 रुपए)

साइबर अपराध से प्राप्त धन: 11 मामले (मूल्य: 1,16,47,712 रुपए)

वितरित राशि: 4,82,64,975 रु.

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (जोन-1) राहुल चव्हाण, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस स्टेशन प्रभारी, पत्रकार और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

शॉर्ट स्टोरी

मौत को दावत देती ढही दीवार, मानसून से पहले खतरा बढ़ा

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

नालासोपारा,नालासोपारा पूर्व के अंबावाड़ी स्थित लक्ष्मी साठवड चॉल और साई सदन इमारत के पास बनी सुरक्षा दीवार के ढह जाने से स्थानीय नागरिकों में दहशत का माहौल है। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान यह दीवार गिर गई थी, जिसके बाद से इलाके में रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। जानकारी के मुताबिक,घटना के बाद वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने दीवार के पुनर्निर्माण का आश्वासन दिया था और इसके लिए टेंडर भी मंजूर किया गया था। बावजूद इसके, लंबे समय बीतने के बाद भी निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है ।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाकर इस मुद्दे को उठाया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब जबकि मानसून नजदीक है, संभावित दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है। इस मामले में स्थानीय नागरिक विवेक तिवारी ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए आयुक्त को पत्र सौंपा है और मौके की गंभीर स्थिति दर्शानेवाले फोटो भी प्रस्तुत किए हैं। नागरिकों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि समय रहते दीवार का पुनर्निर्माण नहीं किया गया, तो मानसून के दौरान बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सीमा आहूजा उल्हासनगर एनसीपी जिला अध्यक्ष नियुक्त

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

राज्य अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा घोषणा करते हुए सीमा महेश आहूजा को उल्हासनगर राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इससे पहले उल्हासनगर में एनसीपी के जिला अध्यक्ष पंचम कलानी थी, जो पूर्व विधायक पप्पू कलानी बहु है। ओमी कलानी ने शिवसेना के शिंदे गुट के साथ गठबंधन किया था। इसके बाद उल्हासनगर में एनसीपी लगभग खत्म हो गई थी। पंचम कलानी के कार्यकाल में पार्टी की गतिविधियां लगभग ठप्प पड़ गई थीं ।मनपा चुनावों में एनसीपी के किसी भी योगदान के अभाव में पार्टी गहरे संकट में चली गई थी। पार्टी एक उपयुक्त और सक्षम नेता की तलाश में थी,तभी पार्टी प्रवक्ता महेश तापसे कांग्रेस नेता सीमा आहूजा को अपनी पार्टी में लाने में सफल रहे। इसी बीच आज एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे की उपस्थिति में, सीमा महेश आहूजा, विश्वास सदाफुले, गणेश गायकवाड़, विकास सिंह, सलमान शेख, विनोद बारे, वनिता भिडे, ज्योति शेल्के, कल्पना साल्वे, वाहिमा शेख और आरती साधवानी सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने एनसीपी में शामिल हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे द्वारा सीमा आहूजा को उल्हासनगर जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद आहूजा समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

भिवंडी मनपा में महाराष्ट्र दिन और श्रमिक दिवस मनाया गया

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

महाराष्ट्र राज्य के 67वें स्थापना दिवस और अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर भिवंडी नगर निगम मुख्यालय के प्रांगण में महापौर नारायण रतन चौधरी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर आयुक्त अनमोल सागर, उपमहापौर तारिक मोमिन, नगरसेवक और निगम के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। इसके पश्चात, महापौर नारायण रतन चौधरी और आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने निगम प्रांगण में स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण आदमकद प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। वहीं, पुरानी प्रशासनिक इमारत के सामने स्थित डॉ. आंबेडकर की अर्धप्रतिमा पर उपमहापौर तारिक मोमीन और नगरसेवक फराज (बाबा) बहाउद्दीन ने पुष्पांजलि अर्पित की। स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उप-जिला अस्पताल के समीप स्थित हुतात्मा स्मारक पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और उपायुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को अभिवादन किया। भारत में पहली बार हो रही डिजिटल जनगणना के लिए 1 मई से 15 मई तक के पहले चरण में 'स्व-गणना' की शुरूआत हो रही है। महापौर नारायण चौधरी ने इस कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई वेबसाइट पर जाकर वे स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करें और इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में अपना योगदान दें। इस अवसर पर आयुक्त अनमोल सागर, उपमहापौर तारिक मोमिन मौजूद रहे।

मुंबई एयरपोर्ट बना जंग का मैदान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

स्पाइस जेट की तीन उड़ानें एक साथ रद्द होने के बाद मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के बाहर स्पाइस जेट के यात्रियों ने गुरुवार को 9 घंटे तक हवाई अड्डे के अंदर और फिर 8 घंटे तक बाहर इंतजार किया। इस दौरान उनकी निराशा इस हद तक बढ़ गई कि उन्होंने हवाई अड्डे के काउंटर पर चिल्लाना और धक्का देना शुरू कर दिया। किसी को अंतिम संस्कार में पहुंचना था तो किसी को अपनी ही शादी में समय से नहीं पहुंचने का मलाल था। स्पाइस जेट ने कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी का सामना किया, जिसे एयरलाइन ने मौसम से संबंधित समस्याओं के रूप में बताया। बुधवार को हुई देरी के संबंध में एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, "मुंबई से तीन स्पाइस जेट उड़ानें, एसजी631 (मुंबई से दिल्ली), एसजी553 (मुंबई से गोरखपुर) और एसजी669 (मुंबई से बेंगलुरु), 29 अप्रैल को परिचालन कारणों से रद की गईं, जिसमें एक विमान का ग्राउंडिंग और पिछले स्टेशन (बागडोगरा) पर प्रतिकूल मौसम शामिल था। एयरलाइन गुरुवार को प्रभावित यात्रियों के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही है।"एयरलाइन ने कहा कि मुंबई से अहमदाबाद की दो उड़ानें पिछले स्टेशनों वाराणसी और बागडोगरा में प्रतिकूल मौसम के कारण देरी का सामना कर रही थीं, जिससे दोनों विमानों की उड़ान में देरी हुई। लेकिन इस देरी का प्रभाव टर्मिनल-1 पर देखा गया, जहां यात्रियों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने के दौरान अपनी कनेक्टग उड़ानें मिस कर दीं। दुबई से मुंबई की फ्लाइट में लगभग 30 अन्य लोगों के साथ आए यात्री पप्पू कुमार गुप्ता ने कहा, "हमारी उड़ान बुधवार को रात 11:30 बजे निकलने वाली थी, लेकिन यह गुरुवार को सुबह 4:30 बजे उड़ान भरी।

महाराष्ट्र सरकार ने एसपी एवं डीसीपी रैंक के 21 अधिकारियों का तबादला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने डीसीपी और एसपी रैंक के 21 अधिकारियों का तबादला कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के गृह विभाग द्वारा स्थानांतरण आदेश के फलस्वरूप 10 जिलों को नए एसपी मिले हैं। आदेशानुसार, नासिक ग्रामीण के एसपी बालासाहेब पाटिल को मुंबई में डीसीपी बनाया गया है। नासिक में उनकी जगह ठाणे ग्रामीण के एसपी डीएस स्वामी को नियुक्त किया गया है। राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) में डीसीपी के पद पर तैनात संदीप घुगे का तबादला मुंबई पुलिस में कर दिया गया है, जबकि अहिल्यानगर के एसपी सोमनाथ घार्गे को राज्य पुलिस मुख्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। अहिल्यानगर में घार्गे की जगह चंद्रपुर के एसपी मुमक्का सुदर्शन लेंगे। चंद्रपुर में आयुष नोपानी एसपी होंगे। अधिकारी ने कहा, ''नंदुरबार के एसपी श्रवण दत्त का तबादला राज्य पुलिस मुख्यालय में कर दिया गया है। जालना के एसपी अजय बंसल को महाराष्ट्र साइबर विभाग का एसपी बनाया गया है। अमरावती ग्रामीण के एसपी सिंगुरी विशाल आनंद , जिन्होंने परातवाड़ा यौन उत्पीड़न मामले को संभाला था, को धुले का एसपी बनाया गया है। परभनी के एसपी रविंद्रसिंह परदेसी का तबादला एसआईडी के डीसीपी के रूप में कर दिया गया है।'' इसी तरह और कई तबादले किए गए हैं।

एफडीए को संदिग्ध तरबूज के नमूने लेने के लिए क्षेत्र में विक्रेता नहीं मिला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

दक्षिण मुंबई के जेजे मार्ग इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत के कारणों की जांच कर रही खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की टीम अभी तक आसपास के किसी भी तरबूज विक्रेता से नमूने नहीं ले पाई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में तरबूज की कोई भूमिका थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुंबई के इस्माइल कुर्ते रोड स्थित घारी मोहल्ला निवासी दोकाडिया परिवार के घर 25 अप्रैल की रात को निजी कार्यक्रम में कुछ रिश्तेदार जुटे थे। रात करीब एक बजे, मेहमानों के जाने के घंटों बाद, अब्दुल्ला दोकाडिया (40), उनकी पत्नी नसरीन (35), और बेटियां आयशा (16) और जैनब (13) तरबूज खाए थे। अगली सुबह जे जे अस्पताल में इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई।

भिवंडी में अलग-अलग थानों में मारपीट

दुष्कर्म व छेड़छाड़ समेत तीन गंभीर मामले दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी शहर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, दुष्कर्म, ठगी और महिला से छेड़छाड़ के तीन गंभीर मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा आरोपियों की तलाश जारी है। पहला मामला भोईवाड़ा थाना क्षेत्र के कॉटरगेट स्थित याकुब अपार्टमेंट के पास का है, जहां पुराने विवाद को लेकर 35 वर्षीय युवक मोहम्मद कब्शा मोहम्मद अस्लम अंसारी पर हमला किए जाने का मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार 28 अप्रैल की रात वह अपनी बाइक साफ कर रहे थे, तभी आसिम मुश्ताक मोमीन, अदनान मोमीन और तीन अन्य लोगों ने कथित रूप से उन पर हमला कर दिया। मारपीट में युवक घायल हो गया तथा उसकी जेब से 10 हजार रुपये गायब होने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरा मामला भोईवाड़ा थाना क्षेत्र का ही है, जहां 21 वर्षीय युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर कई वर्षों तक दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और 12 लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी साकीव असरार चौधरी ने वर्ष 2022 से 2026 के बीच युवती को शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए तथा वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे लाखों रुपये वसूले। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तीसरा मामला भिवंडी शहर थाना क्षेत्र के कामतघर स्थित भाग्यनगर का है, जहां पड़ोसियों के बीच विवाद के दौरान महिला से मारपीट और छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत दर्ज हुई है। 36 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि उनके पड़ोसी नेताजी सालुखे और उनकी पत्नी सरला सालुखे ने विवाद के दौरान उनके परिवार पर हमला किया। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उनके साथ अभद्रता और छेड़छाड़ की तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उल्हासनगर मनपा में महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

'जनगणना 2027' के लिए स्व-पंजीकरण की अपील

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगर पालिका में महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर अश्विनी कमलेश निकम द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रगान और राज्यगान प्रस्तुत किए गए और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनपा आयुक्त माननीय श्रीमती मनीषा अव्हाले (बी.पी.एस.) ने नागरिकों से 'भारत की जनगणना 2027' के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपनी और अपने परिवार की जानकारी सही-सही दर्ज करके देश के विकास में योगदान देना चाहिए। जनगणना 2027 पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी और नागरिक पोर्टल के साथ-साथ वेबसाइट के माध्यम से स्वयं पंजीकरण करा सकेंगे। इसके लिए शहर में प्रशिक्षित गणनाकताओं और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और नागरिकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। पहले चरण में नागरिकों को स्व-पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद, दूसरे चरण में, जनगणना कर्मी प्रत्येक घर का दौरा करेंगे और परिवार और भवन के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करेंगे। इस जानकारी में घर का प्रकार, सुविधाएं, परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी, शैक्षिक और व्यावसायिक विवरण शामिल होंगे। महापौर अश्विनी कमलेश निकम, उप महापौर अमर लुंड, विपक्ष की नेता अंजली साल्वे,गट नेता अरुण आशान, सुरेखा सोनावाने, वरिष्ठ नगरसेवक जमनादास पुरस्वानी, मिलिंद बागुल, दिलीप गायकवाड़, शोभाताई जाधव, पदाधिकारी,नगरसेवक अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले ने किया और धन्यवाद ज्ञापन भास्कर शिंदे ने दिया।

अंबरनाथ नगर परिषद में हंगामा

शिवसेना-भाजपा टकराव से आमसभा फिर स्थगित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गुरुवार को आयोजित अंबरनाथ नगर परिषद की आम सभा शिंदे शिवसेना तथा भाजपा के बीच भारी मतभेदों और आरोप-प्रत्यारोपों के कारण एक बार फिर से स्थगित कर दी गई। दोनों दलों के बीच लंबे समय से चल रहा संघर्ष इस बैठक में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। शिवसेना पार्षदों ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के प्रति प्रशासन गंभीरता नहीं दिखाता है। शिवसेना के नगरसेवकों की मांग थी, ऐसा प्रशासन क्यों करता है। इसी मुद्दे को लेकर शिवसेना ने बैठक स्थगित करने की मांग की। जबकि भाजपा ने बैठक जारी रखने पर जोर दिया। इस अभूतपूर्व हंगामे के कारण बैठक की कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। केंद्र, राज्य में भले ही शिवसेना साथ साथ हैं, लेकिन अंबरनाथ नपा में इन दोनों दलों ने बीच अब लंबी खाई बन चुकी है।

नपा बैठक में अवैध बैनरों का गूंजा मुद्दा

बैठक की शुरूआत में शिवसेना पार्षद राजेंद्र वालेकर ने शहर में अवैध होर्डिंग और बैनरों का मुद्दा आक्रामक ढंग से उठाया। उन्होंने दावा किया कि ये अवैध होर्डिंग्स शहर की सुंदरता को बिगाड़ रहे हैं और नगरपालिका को करोड़ों रुपए का वित्तीय नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने नपा अध्यक्ष तेजश्री करंजुले और मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ से पूछा कि इस संबंध में बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है। शिवसेना ने यह भी मांग की कि भाजपा पार्षद के पति के खिलाफ दर्ज अपराध को बैठक की कार्यवाही में दर्ज किया जाए। इस संबंध में बोलते हुए नपा अध्यक्ष (भाजपा) तेजश्री करंजुले ने स्पष्ट किया कि नगरपालिका अनधिकृत होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई अवश्य करेगी, लेकिन चूंकि संबंधित कानूनी मामले अभी विचाराधीन हैं।

कल्याण-बदलापुर सेक्शन पावर ब्लॉक

लोकल सेवाएं बंद, कई ट्रेनें डायवर्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

सेंट्रल रेलवे के मुंबई मंडल ने कल्याण-बदलापुर सेक्शन पर ओवरहेड इक्विपमेंट अतिक्रमण हटाने के लिए दो रात विशेष पावर व ट्रैफिक ब्लॉक की घोषणा की है। यह ब्लॉक 1 व 2 मई और 2 व 3 मई की रात को लिया जाएगा, जिसके चलते उपनगरीय लोकल सेवाएं प्रभावित रहेंगी और कुछ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के अनुसार पहला ब्लॉक 2 मई को तड़के 1.40 बजे से 3.40 बजे तक कल्याण और अंबरनाथ के बीच अप व डाउन साउथ ईस्ट लाइनों पर रहेगा।

उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाएं पूरी तरह बंद रहेगी

दूसरा ब्लॉक 3 मई को 1.30 बजे से 3.30 बजे तक अंबरनाथ और बदलापुर के बीच डाउन साउथ ईस्ट लाइन पर लिया जाएगा। ब्लॉक के दौरान कल्याण और बदलापुर के बीच उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी। 1 व 2 मई की रात ब्लॉक से पहले आखिरी लोकल बीएल 61 सीएसएमटी-बदलापुर चलेगी, जबकि ब्लॉक के बाद पहली लोकल एस 4 कर्जत-सीएसएमटी रवाना होगी। इसी तरह 2 व 3 मई की रात आखिरी लोकल एस 41 सीएसएमटी-कर्जत रहेगी और इसके बाद पहली सेवा एस 4 कर्जत-सीएसएमटी शुरू होगी। ब्लॉक का असर लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी पड़ेगा।

भिवंडी में लापता युवक की तलाश तेज

परिजनों ने इनाम की घोषणा की

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी के निजामपुरा थाना क्षेत्र से लापता हुए 28 वर्षीय युवक की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। युवक के परिजनों ने उसे सुरक्षित खोजकर लाने वाले व्यक्ति के लिए इनाम की घोषणा की है, जिसके बाद मामला शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस के अनुसार, मिसिंग पर्सन रजिस्ट्रेशन नंबर 0031/2026 के तहत दर्ज प्रकरण में विक्रम जोगाराम कुम्हार 30 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 7:30 बजे अपने घर से निकलने के बाद से लापता हैं। वह भिवंडी के ओम साई रेजिडेंसी क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। परिजनों के मुताबिक, विक्रम घर से यह कहकर निकले थे कि वह 701 नंबर फ्लैट में एक रिश्तेदार से मिलने जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद उनका कोई संपर्क नहीं हो सका। काफी खोजबीन के बाद जब उनका पता नहीं चला तो परिवार ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवक की तलाश में जुटी हुई है। आसपास के क्षेत्रों में भी पूछताछ की जा रही है। परिजनों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को विक्रम कुम्हार के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस या परिवार से संपर्क करें।

ठाणे में नए रेलवे स्टेशन के लिए 149 घरों पर खतरा

पुनर्वसन की मांग तेज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ठाणे व मुलुंड के बीच नए रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। जिसको लेकर रेलवे प्रशासन ने नौपाड़ा के बंडल चॉल में 149 घरों को गिराने का नोटिस जारी किया है। रेलवे की नोटिस के बाद चाल में रहने वालों पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संदर्भ में ठाणे शहर जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ नगरसेवक संजय वाघुले ने मनपा प्रशासन से उन सभी परिवारों पयार्यी घर उपलब्ध कराकर पुनर्वसन की मांग की है। जिन लोगों को रेलवे की तरफ से नोटिस जारी किया गया है, वे सभी 50 सालों से वहां रह रहे हैं। वाघुले ने इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व महापौर शर्मिला पिंपलोलकर को भी पत्र भेजा है।

मानसिक अस्पताल परिसर में बनेगा स्टेशन

प्रादेशिक मानसिक अस्पताल परिसर में नए रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जाना है। स्टेशन की जगह के पास रेलवे लाइन के किनारे बंडल चॉल कॉलोनी में 149 परिवार रह रहे है। इन घरों में परिवारों की चार से पांच पीढ़ियां रह चुकी है। अब नए रेलवे स्टेशन के निर्माण की वजह से 149 घर गिराए जाएंगे, मध्य रेलवे प्रशासन के संपत्ति विभाग ने इस बारे में संबंधित परिवारों को नोटिस जारी किया है। साथ ही, सुनवाई की तारीख 7 मई तय की गई है।

विकास में और आएगी तेजी

रेलवे के साथ-साथ ठाणे महानगरपालिका भी नए रेलवे स्टेशन प्रोजेक्ट में हिस्सा ले रही है। इस रेलवे स्टेशन के बनने से ठाणे के विकास में और तेजी आएगी। मनपा ने नए स्टेशन के लिए सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ने की जिम्मेदारी ली है। इसी के तहत, संजय वाघुले ने मांग की है कि मनपा इन परिवारों को घर देकर उनका पुनर्वास करे। इस बारे में, उन्होंने मनपा आयुक्त सौरभ राव से मुलाकात की और उनसे निवासियों को न्याय दिलाने की गुजारिश की।

हिंदमाता एंकर: मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट को लेकर सियासी घमासान, एनसीपी प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

शशिकांत शिंदे ने घेरा, बोले आपस में ही लड़ रही महायुति

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के बहुप्रतीक्षित मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट के उद्घाटन को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान शुरू हो गया है। एनसीपी (रउढ) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने राज्य की महायुति सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए इसे केवल इवेंट करने वाली सरकार करार दिया है। शिंदे ने आरोप लगाया कि क्रेडिट लेने की होड़ में आम जनता और यहां तक कि जनप्रतिनिधियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यह केवल इवेंट की सरकार है

मीडिया से बात करते हुए शशिकांत शिंदे ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह सरकार केवल दिखावे और इवेंटबाजी में विश्वास रखती है। प्रोजेक्ट का काम पूरा हो या न हो, इन्हें बस उद्घाटन का जश्न मनाना है। शिंदे ने इस बात पर नाराजगी जताई कि एक तरफ सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी सुविधाएं और यातायात प्रबंधन पूरी तरह चरमरा गया है।

सुप्रिया सुले के जाम में फंसने का मुद्दा

शशिकांत शिंदे ने सांसद सुप्रिया सुले का उदाहरण देते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने बताया, हमारी नेता सुप्रिया सुले महाराष्ट्र दिवस के एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं, लेकिन इसी मिसिंग लिंक उद्घाटन के चलते लगे जाम में वह 3 घंटे तक फंसी रहीं। जब एक सांसद को इतनी परेशानी हो रही है, तो आम जनता का क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। शिंदे ने तंज कसते हुए कहा कि उद्घाटन जनता की सहूलियत के लिए होना चाहिए, न कि उन्हें घंटों ट्रैफिक में फंसाने के लिए।

महायुति में क्रेडिट वॉर

प्रोजेक्ट के श्रेय को लेकर शिंदे ने महायुति के भीतर चल रही खींचतान पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा, महायुति में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। वे विपक्ष से लड़ने के बजाय आपस में ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यहाँ क्रेडिट लेने की होड़ मची है पहले मुख्यमंत्री श्रेय लेते हैं, फिर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उसे अपनी उपलब्धि बताने की कोशिश करते हैं। यह क्रेडिट वॉर विकास के लिए नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक छवि चमकाने के लिए है। एनसीपी (रउढ) अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने कहा कि सरकार केवल उन प्रोजेक्ट्स को अपना बता रही है जिनकी नींव वर्षों पहले रखी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि असल मुद्दों जैसे बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के भव्य उद्घाटन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

तरबूज से नहीं हुई मौत जहर की आशंका!

पायधुनी मामले की फोरेंसिक जांच में चौंकाने वाला खुलासा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

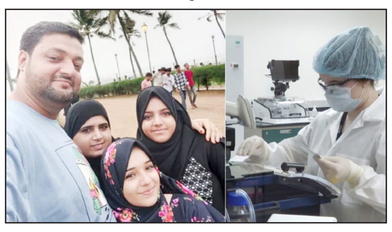

मुंबई के पायधुनी स्थित डोकाडिया परिवार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने सुरक्षा और स्वास्थ्य एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। 25 अप्रैल की रात तरबूज खाने के बाद परिवार के चारों सदस्यों, अब्दुल्ला डोकाडिया, उनकी पत्नी और दो बेटियों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई थी। 26 अप्रैल को जेजे अस्पताल ले जाने के दौरान और इलाज के वक्त चारों की एक-एक कर मौत हो गई। शुरूआत में इसे तरबूज से हुई फूड पॉइजनिंग माना जा रहा था, लेकिन अब प्रारंभिक फोरेंसिक रिपोर्ट ने जहर की संभावना को पुख्ता कर दिया है। विशेषज्ञों ने जांच में पाया कि मृतकों के महत्वपूर्ण शारीरिक अंग जैसे मस्तिष्क, हृदय और आंतें पूरी तरह से हरी पड़ गई हैं। डॉक्टरों के अनुसार, यह स्थिति सामान्य खाद्य विषाक्तता में नहीं देखी जाती है, यह तभी संभव है जब कोई अत्यंत जहरीला तत्व रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में फैल गया हो। इसके अलावा, अब्दुल्ला के शरीर में मॉर्फिन की मौजूदगी ने इस संदेह को और अधिक बढ़ा दिया है कि यह महज एक दुर्घटना नहीं थी।

एफडीए की स्वतंत्र जांच

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने डोकाडिया परिवार के घर से तरबूज के साथ-साथ बिरयानी, रसोई और फ्रिज का पानी, चिकन, खजूर और मसालों सहित कुल 11 खाद्य नमूनों को परीक्षण के लिए लैब भेजा है। खाद्य निरीक्षकों को पुलिस के साथ समन्वय कर यह पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि क्या भोजन में जानबूझकर कुछ मिलाया गया था।

व्यापारिक और डिजिटल लेनदेन की जांच

पायधुनी पुलिस ने मृतकों के मोबाइल फोन और डिजिटल रिकॉर्ड को कब्जे में ले लिया है। पुलिस विशेष रूप से परिवार के मुखिया अब्दुल्ला डोकाडिया के हालिया व्यापारिक लेन-देन और बैंक लेनदेन की बारीकी से जांच कर रही है। संदिग्ध संपर्कों की कॉल लिस्ट खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या परिवार का किसी के साथ कोई विवाद या दुश्मनी थी।

अनसुलझे सवालों के घेरे में मौत

25 अप्रैल की रात से शुरू हुआ यह घटनाक्रम 26 अप्रैल तक पूरे परिवार के अंत के साथ समाप्त हुआ। सबसे पहले अस्पताल पहुंचने पर एक बच्ची को मृत घोषित किया गया, जिसके कुछ घंटों बाद दूसरी बच्ची और फिर माता-पिता ने दम तोड़ दिया। अंगों के रंग में बदलाव और मॉर्फिन के मिलने के बाद अब सबकी निगाहें विस्तृत फोरेंसिक रिपोर्ट रासायनिक विश्लेषण पर टिकी हैं, जिससे मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

गर्मियों में बढ़ा खतरा, फायर ब्रिगेड की चेतावनी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

धारावी जैसी झुग्गी-बस्तियों में गर्मियों में आग लगने की घटनाओं में अचानक बढ़ोतरी ने अधिकारियों को चिंता में डाल दिया है। मुंबई फायर ब्रिगेड इस बढ़ोतरी की वजह भीषण गर्मी, असुरक्षित बुनियादी ढांचा और उच्च जनसंख्या आबादी घनत्व को मानती है।

अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों का अधिक तापमान लकड़ी, कपड़ा, प्लास्टिक शीट और कबाड़ जैसी ज्वलनशील चीजों को काफी हद तक सुखा देता है, जिससे वे बहुत जल्दी आग पकड़ लेती हैं। ऐसी स्थितियों में एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग का कारण बन सकती है।

इस कारण होता है बिजली का ओवरलोड

एक और बड़ा कारण बिजली का ओवरलोड है। पंखों और कूलर के बढ़ते इस्तेमाल के साथ, कई घर बिना अनुमति वाले और ओवरलोड बिजली कनेक्शनों पर निर्भर रहते हैं। इससे अक्सर तार ज्यादा गर्म हो जाते हैं और शॉर्ट सर्किट हो जाता है, जो इन इलाकों में आग लगने के आम कारण हैं। संकरी गलियां और एक-दूसरे से सटे घर आग की लपटों को एक झोपड़ी से दूसरी झोपड़ी तक तेजी से फैलने देते हैं, साथ ही फायर इंजन और आपातकालीन बचाव दल के पहुंचने में भी रुकावट डालते हैं। कई झोपड़ियां तिरपाल, बांस और प्लास्टिक से बनी होती हैं, जो जल्दी आग पकड़ लेती हैं और आग के फैलने की गति को तेज कर देती हैं।

सावधानी से करें इस्तेमाल

महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन के पूर्व प्रमुख प्रभात राहंगडाले ने बताया कि गर्मियों के मौसम में, गर्मी, भीड़भाड़ और झुग्गी-झोपड़ियों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की प्रकृति के कारण, एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग का रूप ले सकती है। इन घटनाओं के पीछे पर्यावरणीय और ढांचागत कमजोरियों का मिला-जुला असर होता है। मुंबई फायर ब्रिगेड के अधिकारी निवासियों को सलाह देते है कि वे बिजली के सर्किट पर जरूरत से ज्यादा भार न डालें और सुरक्षित वायरिंग के तरीकों का पालन करें। एलपीजी और खाना पकाने के अन्य ईंधनों का इस्तेमाल सावधानी से किया जाना चाहिए। निवासियों को आपातकालीन सेवाओं के लिए आने-जाने वाले रास्तों को हमेशा खुला रखना चाहिए।

सीएम ममता के स्ट्रॉन्ग रूम जाने पर संजय राऊत बोले

'इलेक्शन के बाद लोगों को डर लगता है कि...'

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले राज्य में सियासी गहमागहमी तेज हो गई है। भवानीपुर में ममता बनर्जी ने एक ईवीएम 'स्ट्रॉन्ग रूम' का दौरा कर धांधली का आरोप लगाया। इसके बाद देशभर से नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत ने कहा कि लोकतंत्र के ऊपर जो अविश्वास है, ये बहुत ही खतरनाक चीज है। उन्होंने बीजेपी के साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर भी तंज कसा। उद्धव गुट के नेता संजय राऊत ने कहा, "पूरे पश्चिम बंगाल में जब से चुनाव हो गया है, ममता बनर्जी ने 'जागते रहो' का नारा दिया है। यही नारा अखिलेश यादव ने भी दिया था। चुनाव होने के बाद लोगों को डर लगता है कि ये कुछ न कुछ करेंगे। लोकतंत्र के ऊपर जो अविश्वास है, ये बहुत ही खतरनाक चीज है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से दो लाख, तीन लाख फौज जाकर वहां चुनाव कराया। ये जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार हैं वो तो बीजेपी में शामिल हो गए हैं। कमल लगाकर घूमते हैं।"

डर सच्ची है लेकिन देश की जनता जागरूक- संजय राऊत

राऊत ने आगे कहा कि किसी को ये नहीं भूलना चाहिए कि देश की जनता बहुत जागरूक है। पश्चिम बंगाल में जहां ईवीएम रखे गए हैं, वहां ममता बनर्जी कल रात से घूम रही हैं। जब से पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सत्ता में आए हैं, तब से उन्हें डर लगता है कि क्या हमारा वोट सुरक्षित है? क्या जिसे हमने वोट डाला है, उसे गया है या कोई जादू हो गया है? तो ये डर है और ये डर सच्ची है।"

चुनाव आयोग अंधा हो गया है- संजय राऊत

बीजेपी की 2 मई को होने वाली बैठक को लेकर पूछे गए सवाल पर संजय राऊत ने कहा कि बीजेपी को लगता है कि वो जीतने वाली है, आईए मीटिंग बुलाइए या समोसे खाइए। फिर ममता दीदी की जब जीत होगी तो उसके बाद हमलोग उनको पेड़ा खिलाएंगे।" उन्होंने ये भी कहा कि ईवीएम मशीन सुरक्षित नहीं है। ममता दीदी ने जो वीडियो वायरल किया है, आपने देखा होगा कि मशीन के पूरे सील टूटे हैं। मशीन यहां वहां गिरे हैं। कोई सुरक्षा नहीं है। चुनाव आयोग अंधा हो गया है।

नरहरी झिरवाल ने खुद बताया कैसे बनाया गया था उनका विवादित वीडियो, बोले- मेरी आवाज...

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरी झिरवाल पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक विवादित वीडियो के कारण चर्चा के केंद्र में बने हुए थे। इस वीडियो ने राजनीतिक गलियारों में कई तरह की बहस और साजिश के आरोपों को जन्म दे दिया था। मामले के तूल पकड़ने के बाद झिरवाल ने स्वयं मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष स्पष्ट किया और बताया कि यह वीडियो किस प्रकार उन्हें फंसाने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर बनाया गया है। झिरवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि वायरल वीडियो पूरी तरह से बनावटी है और इसमें दिख रही गतिविधियों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने तकनीक का हवाला देते हुए बताया कि यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक खतरनाक उदाहरण है। उनके अनुसार, वीडियो में उनके चेहरे के हाव-भाव और आवाज को इस तरह से जोड़ा गया है कि वह पहली नजर में असली प्रतीत हो, लेकिन वह पूरी तरह कृत्रिम है।

छवि बिगाड़ने की राजनीतिक साजिश

नरहरी झिरवाल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल एक मजाक नहीं, बल्कि उनके राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचाने के लिए रचा गया एक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग व्यक्तिगत द्वेष या राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समाज में उनके प्रति गलत संदेश फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। झिरवाल ने जनता और अपने समर्थकों से अपील की है कि वे तकनीक के इस दुरुपयोग और भ्रामक अफवाहों पर बिल्कुल भी विश्वास न करें।

पुलिस और साइबर सेल की तफ्तीश

इस डिजिटल हमले के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उपाध्यक्ष ने आधिकारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि जांच एजेंसियां उस स्रोत का पता लगाएं जहां से यह वीडियो सबसे पहले साझा किया गया था। साइबर क्राइम ब्रांच अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि वीडियो बनाने के लिए किस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया और इसके पीछे किन व्यक्तियों या संगठनों का हाथ है।

सच्चाई जल्द आएगी सामने

नरहरी झिरवाल ने जांच प्रक्रिया पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने आगाह किया कि सोशल मीडिया पर इस तरह के फर्जी कंटेंट को बढ़ावा देना और वायरल करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। फिलहाल, पुलिस वीडियो की फॉरेंसिक जांच कर रही है और झिरवाल को उम्मीद है कि जल्द ही सच्चाई सबके सामने आ जाएगी।

ऐसे कार्ड पाकिस्तान में

शादी के कार्ड पर टीपू सुल्तान के साथ शिवाजी महाराज का नाम देख भड़के नितेश राणे

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

अमरावती के वलगांव में रहने वाले एक मुस्लिम युवक, जो हिंदू-मुस्लिम कौमी एकता मंच से जुड़ा है, उसके विवाह का निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस कार्ड में हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्रपति शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान का नाम एक साथ प्रेरणास्रोत के रूप में छापा गया है। युवक का तर्क है कि दोनों ही शासकों ने सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया था, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस पर तीखी बहस छिड़ गई है। विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा के कद्दावर नेता और मंत्री नितेश राणे ने इस पर अपनी आक्रामक प्रतिक्रिया दी। राणे ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र और हिंदू राष्ट्र में टीपू सुल्तान जैसे शासक को शिवाजी महाराज के समकक्ष रखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पाकिस्तान में छपवाते तो ज्यादा उचित होता

मंत्री नितेश राणे ने कार्ड पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जिस टीपू सुल्तान ने बड़े पैमाने पर हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया और हमेशा नफरत की राजनीति की, उसे महाराष्ट्र में सम्मान नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि इस तरह के कार्ड पाकिस्तान में छपवाए गए होते, तो शायद वे वहां स्वीकार्य होते, लेकिन भारत के हिंदू राष्ट्र में ऐसी बातें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

कार्ड में दिए गए ऐतिहासिक तर्क

विवादित कार्ड में यह उल्लेख किया गया है कि टीपू सुल्तान ने 156 मंदिरों को भूमि दान की थी और काशी के मंदिरों के लिए सोने के सिक्के दिए थे। दूसरी ओर, इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के उदारवादी दृष्टिकोण का हवाला देते हुए बताया गया है कि उन्होंने रायगढ़ में मंदिर के साथ मस्जिद का निर्माण कराया था और रत्नागिरी में दरगाह के लिए भूमि दान की थी। कार्ड के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि इतिहास के महापुरुषों ने एकता का मार्ग दिखाया था।

प्रगतिशील बनाम हिंदुत्ववादी विचारधारा

जहां एक तरफ राज्य के प्रगतिशील विचारकों ने इस पहल को कौमी एकता की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया है, वहीं हिंदुत्ववादी संगठन इसे भावनाओं को आहत करने वाला कदम मान रहे हैं। नितेश राणे के इस बयान के बाद अमरावती और आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की नजर सोशल मीडिया पर बढ़ते इस विवाद और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर टिकी हुई है।

मुंबई में पॉड टैक्सी प्लान घिरा विवादों में

पर्यावरणवादियों ने उठाए सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए प्रस्तावित 'पॉड टैक्सी' परियोजना को लेकर अब नया विवाद खड़ा हो गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कुल 499 पेड़ों को काटा जाएगा, जिस पर पर्यावरण संगठनों ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। मुंबई के पहले से बिगड़ते पर्यावरण में जब लोगों का सांस लेना मुश्किल हो रहा है, ऐसे में इस तरह की परियोजनाओं के लिए हरियाली की बलि देना आत्मघाती कदम है, ऐसा कहते हुए पर्यावरणवादियों ने प्रशासन को आड़े हाथों लिया है।

एमएमआरडीए ने लिया पॉड टैक्सी शुरू करने का फैसला

बीकेसी में आंतरिक परिवहन के लिए 'ऑटोमेटेड रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' यानी पॉड टैक्सी शुरू करने का निर्णय एमएमआरडीए ने लिया है। इसके तहत अलग एलिवेटेड कॉरिडोर और स्टेशन बनाए जाएंगे। हालांकि, इस निर्माण के लिए रास्ते में आने वाले 499 पेड़ों को काटना पड़ेगा। इसके विरोध में अब मुंबई के पर्यावरण प्रेमी एकजुट हो गए हैं।

बैठक में लिया जाएगा निर्णय

बीएमसी के उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये पेड़ कुर्ला से बांद्रा के बीच प्रस्तावित मार्ग पर स्थित हैं। इसमें छोटे-बड़े और सड़क किनारे के पेड़ शामिल है। इस प्रस्ताव में संशोधन किया जाएगा और अभी तक इसे अंतिम मंजूरी के लिए वृक्ष प्राधिकरण के सामने पेश नहीं किया गया है। बीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल ही में गठित वृक्ष प्राधिकरण की पहली बैठक पिछले सप्ताह हुई, जिसकी अध्यक्षता मनपा आयुक्त अश्विनी भिड़े ने की। अब अगली बैठकों में प्रस्ताव पर चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एमवीए में '2028' का मास्टरस्ट्रोक

अंबादास दानवे की उम्मीदवारी के बदले कांग्रेस ने पक्की की अपनी दो सीटें

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए अंबादास दानवे की उम्मीदवारी ने महाविकास आघाडी में जो संकट पैदा किया था, वह अब एक दूरगामी समझौते के साथ सुलझता नजर आ रहा है। शुरूआत में जब शिवसेना ने सहयोगियों से परामर्श किए बिना दानवे के नाम की घोषणा की, तो कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाते हुए अपना प्रत्याशी उतारने की धमकी दी थी। हालांकि, दोनों दलों के बीच हुई उच्च स्तरीय बातचीत में कांग्रेस ने वर्तमान की एक सीट छोड़ने के बदले वर्ष 2028 के लिए एक बड़ी राजनीतिक डील सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। इस समझौते के अनुसार, 2028 में विधान परिषद की 10 सीटों, मुंबई स्थानीय निकाय की दो सीटों और राज्यसभा के चुनावों में कांग्रेस की हिस्सेदारी बढ़ेगी। कांग्रेस ने विशेष रूप से राज्यसभा की एक और विधान परिषद की एक अतिरिक्त सीट की मांग की थी, जिसे उद्धव ठाकरे ने स्वीकार कर लिया है। प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इस समझौते की सफलता की जानकारी दिल्ली स्थित आलाकमान को भी साझा कर दी है।

कांग्रेस की 'हैट्रिक' और कार्यकर्ताओं का दबाव

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि कांग्रेस ने पिछले एक महीने में तीसरी बार कदम पीछे खींचे हैं। राज्यसभा चुनाव, बारामती विधानसभा उपचुनाव और अब विधान परिषद चुनाव से नाम वापस लेकर कांग्रेस ने अपनी रणनीति साफ कर दी है। हालांकि, 16 विधायकों वाली पार्टी होने के बावजूद वर्तमान में कोई सीट न मिलने से कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई, जिसे भविष्य के लाभ के तर्क से शांत करने का प्रयास किया जा रहा है।

2028 की डील का गणित

समझौते की शर्तों के मुताबिक, शिवसेना आगामी वर्षों में अपनी सीटों के कोटे से कांग्रेस को प्रतिनिधित्व देने पर सहमत हुई है। इस डील का मुख्य केंद्र 2028 में खाली होने वाली सीटें हैं, जहां कांग्रेस को दो सीटों की गारंटी दी गई है। यह कदम दर्शाता है कि एमवीए के भीतर गठबंधन को बरकरार रखने के लिए वर्तमान नुकसान को भविष्य के निवेश के रूप में देखा जा रहा है।

विपक्ष को एकजुट रखने की कोशिश

उद्धव ठाकरे द्वारा कांग्रेस की मांगों को स्वीकार किए जाने के बाद अब अंबादास दानवे की जीत का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। इस समझौते ने न केवल तात्कालिक राजनीतिक संकट को टाला है, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी एक साझा मंच तैयार किया है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या यह '2028 का फॉर्मूला' महाविकास आघाडी के अन्य दलों के बीच भी इसी तरह के तालमेल का आधार बनेगा।

रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग मामला

17 आरोपियों पर 1624 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, मकोका लगा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कानूनी कार्रवाई पूरी कर ली है। गुरुवार को पुलिस ने विशेष मकोका कोर्ट में 17 आरोपियों के खिलाफ 1,624 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला 1 फरवरी की रात का है। जब शेट्टी के नौ-मंजिला घर पर पांच राउंड फायरिंग की गई थी। जिससे बॉलीवुड गलियारों में हड़कंप मच गया था। जांच अधिकारियों के अनुसार, इस हमले की साजिश लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों द्वारा रची गई थी।

सोशल मीडिया पर ली थी हमले की जिम्मेदारी

चार्जशीट में शुभम लोणकर और आरजू बिश्नोई को 'वांटेड' दिखाया गया है। जिन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। गौरतलब है कि शुभम लोणकर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और सलमान खान फायरिंग मामले में भी मुख्य संदिग्ध है। पुलिस ने अब तक इस मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनमें शूटर दीपक शर्मा और रितिक यादव जैसे आरोपी शामिल हैं।

महिलाओं के मुद्दों पर कांग्रेस पर बरसे नितेश राणे

बोले- हर बार महिला हितों की नीतियों करती है विरोध

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और बीजेपी विधायक नितेश राणे इन दिनों सिंधुदुर्ग के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए देश के एनडीए सरकार द्वारा महिलाओं के अधिकारों और देश में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर महिला विरोदी होने का आरोप लगाया कि वो महिलाओं के लिए लिए गए फैसलों का विरोध करता है और अड़चने पैदा करते हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने और विधायिकाओं में उनके लिए नेतृत्व की ज्यादा भूमिकाएं सुनिश्चित करने के लिए 'नारी शक्ति बिल 2023' पारित किया था। अब इसे लागू कर दिया गया है और सरकार की कोशिश है कि इसे जनगणना और परिसीमन से अलग करके लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया जाए, लेकिन जैसे-जैसे मोदी सरकार महिलाओं के हक के लिए काम कर रही है कांग्रेस इसका विरोध कर रहा है।"

नितेश राणे ने कहा- कांग्रेस है महिला हितों के खिलाफ

नितेश राणे ने कहा कि जब भी मोदी सरकार या राज्य सरकार महिलाओं के अधिकारों और उनके विकास के लिए कोई कानून लाती है या योजना लाती है कांग्रेस इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा, "जब मोदी सरकार तीन तलाक के खिलाफ विधेयक लाई थी तब भी कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। राज्य में देवेंद्र फडणवीस की सरकार महाराष्ट्र मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना लेकर आई तब कांग्रेस ने इसका विरोध किया।

कुर्ला बेस्ट बस हादसे के बाद बड़ा फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

दिसंबर 2024 में मुंबई के कुर्ला वेस्ट में हुए जानलेवा बेस्ट बस हादसे के मामले में ट्रांसपोर्ट विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्राइवर संजय मोरे का हेवी व्हीकल (ट्रांसपोर्ट) ड्राइविंग लाइसेंस हमेशा के लिए रद्द कर दिया है। हालांकि, उनके लाइट मोटर व्हीकल और दोपहिया वाहन चलाने का लाइसेंस अभी वैध रहेगा। यह फैसला उस गंभीर सड़क दुर्घटना के एक साल से अधिक समय बाद आया है, जिसमें 9 दिसंबर 2024 को कुर्ला वेस्ट इलाके में संजय मोरे द्वारा चलाई जा रही बेस्ट बस ने पैदल यात्रियों और कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए थे। घटना ने पूरे शहर में हड़कंप मचा दिया था और सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। स दुर्घटना के बाद प्रशासन और परिवहन विभाग पर ड्राइवरों की स्क्रीनिंग, प्रशिक्षण और सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों ने भी कहा था कि ऐसे बड़े वाहनों के संचालन में अधिक सख्त नियम और नियमित जांच की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मामले की कानूनी प्रक्रिया भी अब तक जारी है। हालांकि संजय मोरे को बॉम्बे हाई कोर्ट ने 30 मार्च 2026 को जमानत दे दी थी, लेकिन उनके खिलाफ आपराधिक मामला अभी भी अदालत में विचाराधीन है।

हिंदमाता एंकर: अब खुद दर्ज करें अपनी जानकारी, जानें सेल्फ एन्यूमरेशन की पूरी प्रक्रिया

भारत की पहली डिजिटल जनगणना

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारत के सांख्यिकीय इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने सरकारी आवास वर्षा में स्वयं की गणना कर महाराष्ट्र में डिजिटल जनगणना 2027 अभियान का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी पत्नी अमृता फडणवीस और बेटी दिविजा फडणवीस भी उपस्थित थीं। यह अभियान डिजिटल इंडिया की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, क्योंकि पहली बार देश के नागरिकों को अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन भरने का विकल्प दिया जा रहा है।

क्या है सेल्फ-एन्यूमरेशन?

जनगणना-2027 की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजिटल स्वरूप है। 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' एक ऐसी सुविधा है जिसके माध्यम से परिवार का कोई भी एक जिम्मेदार सदस्य आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाकर अपने घर और सदस्यों की जानकारी ऑनलाइन भर सकता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित है और डेटा की सटीकता सुनिश्चित करती है।

महाराष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण समय-सीमा

- महाराष्ट्र की चीफ प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर, डॉ. निरुपमा जे. डांगे के अनुसार, राज्य में इस अभियान को दो चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है: सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल: यह सुविधा 1 मई से 15 मई, 2026 तक खुली रहेगी।
- एन्यूमरेटर्स का दौरा: जो लोग ऑनलाइन डेटा नहीं भर पाएंगे, उनके लिए जनगणना कर्मी 16 मई से 14 जून, 2026 के बीच घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे।
- दो मुख्य चरण: हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस (अप्रैल-सितंबर 2026) और मुख्य जनसंख्या गणना (फरवरी 2027)।

सेल्फ-एन्यूमरेशन कैसे करें?

- इस डिजिटल प्रक्रिया को बेहद सरल और सुलभ बनाया गया है, सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in पर जाएं। यह पोर्टल अंग्रेजी सहित 15 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। अपने मोबाइल नंबर का उपयोग करके पोर्टल पर लॉग-इन करें और ओटीपी के जरिए सत्यापन करें। घर और परिवार के सदस्यों से जुड़ी जानकारी दर्ज करें। इस प्रक्रिया में लगभग 15-20 मिनट का समय लगता है।
- ध्यान रहे, किसी भी दस्तावेज को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। सफल सबमिशन के बाद, एक यूनिक सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी जेनरेट होगी, जो आपके रजिस्टर्ड मोबाइल और ईमेल पर भेजी जाएगी। जब एन्यूमरेटर आपके घर आए, तो उन्हें यह एसई आईडी दिखाएं। वे डेटा को वेरिफाई और वैलिडेट करेंगे, जिसके बाद ही आपकी गणना पूर्ण मानी जाएगी।

डिजिटल जनगणना के 5 प्रमुख लाभ

- **सुविधा और समय की बचत:** नागरिकों को जनगणना कर्मियों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, वे अपनी सुविधा के अनुसार जानकारी भर सकते हैं।
- **डेटा सटीकता:** सीधे नागरिकों द्वारा जानकारी भरने से मानवीय त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है।
- **उच्च स्तरीय सुरक्षा:** सारा डेटा एन्क्रिप्टेड फॉर्म में सरकारी सर्वर पर स्टोर होता है। साइबर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।
- **पारदर्शिता:** यह प्रक्रिया कागज-रहित और पारदर्शी है, जो 'डिजिटल इंडिया' के विजन को मजबूती देती है।
- **निजता:** संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी सीधे परिवार के सदस्य द्वारा पोर्टल पर दर्ज की जाती है, जिससे गोपनीयता बनी रहती है।

साइबर ठगी से बचें

महाराष्ट्र सरकार ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जनगणना से जुड़े सभी आधिकारिक एसएमएस केवल आरजीआईसीईएन कीवर्ड वाले सेंडर आईडी, जैसे एडी-आरजीईसीएन-एस से ही आएंगे। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और हमेशा आधिकारिक यूआरएल ही चेक करें।

विचार प्रवाह

अपने पिता के निधन पर मैंने एक निर्णय लिया कि मैं वो बनूंगा जो मुझे भगवान ने बनने के लिए भेजा है और अपनी पिता की तरह उपदेश नहीं दूंगा।
– जोएल ओस्टीन

संपादकीय

मौत की राह बनती सड़कों पर हो अनुशासन

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में अभी आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती हैं, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बनें और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो। वक्त आ गया है कि देश में दुर्घटनाओं को टालने के लिए आधुनिक यातायात प्रणाली के अनुसंधान व प्रयोग की दिशा में काम किया जाए।

आज का इतिहास

■ 1986 - सं.रा. अमेरिका की 30 वर्षीया एन. बैनक्राफ उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाली प्रथम महिला बनीं।

■ 1997 - ब्रिटेन में 18 वर्षों बाद लेबर पार्टी सत्ता में, उसके नेता टोनी ब्लेयर ब्रिटेन के संसदीय इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने।

■ 1999 - मिरया मोस्कोसो पनामा की प्रथम महिला राष्ट्रपति नियुक्त।

■ 2002 - पाकिस्तान के इंजमामुल हक ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 329 रन बनाये।

■ 2004 - मारेक बेल्का पोलैंड के नये प्रधानमंत्री बने।

■ 2008 -अनिल अंबानी ग्रुप की फर्म रिलायंस पावर लिमिटेड ने इण्डोनेशिया में तीन कोयला खदानों का अधिग्रहण किया। ब्रिटेन के स्थानीय चुनाव में सत्तारुढ़ लेबर पार्टी की हार हुई। अमेरिका ने म्यांमार पर नए प्रतिबन्ध लगाये।

■ 2010 - सेबी का प्राथमिक पूंजी बाजार में नए इश्युओं की खरीद के लिए आवेदन करते समय संस्थागत निवेशकों को भी खुदरा निवेशकों की तरह शत प्रतिशत भुगतान करने का निर्देश प्रभावी हो गया।

■ 1968 - उषा बारले- भारत की प्रसिद्ध लोक गायिका हैं जो पण्डवानी गायन के लिये जानी जाती हैं।

■ 1939 - विश्वेश्वर नाथ खरे - भारत के उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व 33वें न्यायाधीश रहे हैं।

■ 1935 - दया प्रकाश सिन्हा - हिंदी के प्रतिष्ठित लेखक, नाटककार, नाट्यकर्मी, निर्देशक व चर्चित इतिहासकार हैं।

■ 1929 - विष्णु कांत शास्त्री - भारतीय राजनीतिज्ञ एवं साहित्यकार थे। जिग्मे दोरजी वांग्चुक-भूटान के तीसरे राजा थे।

■ 1922 - विल्सन जोन्स - भारत के पेशेवर बिलियर्ड्स खिलाड़ी थे।

■ 1921 - सत्यजित राय ऑस्कर पुरस्कार सम्मानित फ़िल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक थे।

■ 1921 - ब्रज बासी लाल - भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक पुरातात्त्विक स्थलों का अन्वेषण एवं उत्खनन कराने वाले प्रसिद्ध पुरातत्त्वविद् थे।

■ 1519 - लिओनार्दो दा विंची, इटलीवासी, महान चित्रकार।

■ 1975 - पद्मजा नायडू - प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ श्रीमती सरोजिनी नायडू की पुत्री।

■ 1981 - यशवंत सिंह परमार - भारत के राजनेता और एक स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी थे।

■ 1928 - हेमचन्द्र गोस्वामी- आधुनिक असमिया साहित्य के शुरुआती दौर के भारतीय लेखक, कवि, इतिहासकार, शिक्षक और असम के भाषाविद थे।

एफटीए: अवसर और चुनौती

वैश्विक बाजार में भारतीय युवाओं के लिए नए मौके

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पिछले दिनों भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया। इसके पहले यूरोपीय संघ (ईयू) से ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ था। ये समझौते केवल दो व्यापारिक शक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के लिए वैश्विक नागरिक बनने के द्वार का खुलना है।

आज यूरोप सहित सभी विकसित देश अपनी वृद्ध होती जनसंख्या के कारण भीषण श्रम संकट से जूझ रहे हैं और भारत अपनी जनसांख्यिकीय शक्ति यानी लाभांश के चरम पर है। अब लखनऊ, पटना या भुवनेश्वर का युवा यह सोच सकता है कि उसका करियर केवल दिल्ली-मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बर्लिन और पेरिस तक पहुंचेगा।

मानसिकता में बदलाव

■ यह बदलाव केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि मानसिकता और आकांक्षाओं का भी विस्तार है। एफटीए की असली ताकत माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप में भी है, जो भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में सुरक्षित, व्यवस्थित और सम्मानजनक अवसर सुनिश्चित करता है। नई दिल्ली में स्थापित लीगल गेटवे आफिस इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रोजगार के व्यापक अवसर

■ अब भारतीय प्रतिभा का प्रवास अनौपचारिक नहीं, बल्कि संस्थागत और संरक्षित होगा। यूरोपीय श्रम बाजार में ही वर्तमान में जो रिक्तियां हैं, वे चौंकाने वाली हैं। ईयू में रोजगार दर 76.3 प्रतिशत के उच्च स्तर पर होने के बावजूद वहां प्रतिभा का अकाल है। ईयू देशों में 10 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता है। जर्मनी, फ्रांस और आयरलैंड जैसे देशों में भारतीय नर्सों, केयरगिवर्स और फिजियोथेरपिस्ट की भारी मांग है।

तकनीकी और हरित क्षेत्र में मांग

■ यूरोपीय संघ की चीन प्लस वन रणनीति के कारण वहां तकनीकी क्रांति तेज हुई है। साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डाटा साइंस और साइबर सुरक्षा में भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यूरोप का नेट-जीरो लक्ष्य 2035 तक अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का विस्फोट करेगा। सोलर तकनीशियन, विंड टर्बाइन विशेषज्ञ और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इंजीनियरों के लिए वहां का बाजार अभी से पलकें बिछाए खड़ा है। केवल उच्च शिक्षित ही नहीं, बल्कि लाजिस्टिक्स, निर्माण और होटल उद्योग में भी लाखों अवसर हैं। वेयरहाउस आपरेशंस, स्मार्ट इलेक्ट्रिशियन और कृषि प्रसंस्करण में कुशल युवाओं की विशेष मांग देखी जा रही है।

कौशल की कमी बड़ी बाधा

■ अवसर तो बहुत हैं, पर उनकी राह में देश के युवाओं में कौशल की भारी कमी है। एक हालिया शोध के अनुसार भारत में स्नातक युवाओं में से केवल 8.25 प्रतिशत ही अपनी शिक्षा के अनुरूप काम कर रहे हैं, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्यों में लगे हैं। हिंदी भाषी राज्यों में केवल अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश भाषा की जानकारी का अभाव सबसे बड़ी रुकावट है। हमारे आइटीआइ और विश्वविद्यालयों के कई प्रमाणपत्र यूरोपीय मानकों के साथ मेल नहीं खाते। यह समझना अनिवार्य है कि यूरोप केवल श्रमिक नहीं, बल्कि विशेषज्ञ मांगता है। अब खानापूर्ति वाले प्रशिक्षण का दौर बीत चुका है।

गुणवत्ता आधारित प्रशिक्षण की जरूरत

■ यदि प्रशिक्षण की गुणवत्ता लचर है तो यह केवल युवाओं के समय की बबार्दी नहीं, बल्कि राष्ट्र के साथ छल है। नीतिगत स्तर पर हमें मात्रा के बजाय गुणवत्ता को मूल मंत्र बनाना होगा। प्रशिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों, उद्योग-संबद्ध पाठ्यक्रमों और वैश्विक प्रमाणपत्रों को अपनाना होगा। जब तक युवा वैश्विक मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, तब तक उनके लिए एफटीए के लाभ सीमित ही रहेंगे या फिर कागजों पर ही रहेंगे। युवाओं को अपनी कौशल पहचान बदलनी होगी। बिहार का लैंग्वेज लेबोरेटरी माडल एक शानदार उदाहरण है जहां अरबी, अंग्रेजी, जर्मन और जापानी सिखाई जा रही है।

नई पीढ़ी के लिए अनिवार्य कौशल

■ युवाओं को स्नातक साथ ही कम से कम एक यूरोपीय भाषा में दक्षता हासिल करनी चाहिए। यूरोपास सीवी बनाना और ईयू टैलेंट पूल पर अपनी प्रोफाइल को सत्यापित करना सीखना अब ऐच्छिक नहीं, अनिवार्य है। यूरोपीय कार्यसंस्कृति में संवाद, समयबद्धता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता तकनीकी ज्ञान जितनी ही महत्वपूर्ण है। स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर इसी दिशा में सही कदम है, जो वाराणसी और भुवनेश्वर में चालू हो चुके हैं। डिजिटल स्किल पासपोर्ट जैसी पहल भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएगी और युवाओं के करियर को सुरक्षित करने में बहुत सहायक भी बनेगी।

प्रवास का बदलता स्वरूप

■ एक समय था जब बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों लोग गिरमिटिया के रूप में मजबूरी में विदेश गए। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब प्रवास मजबूरी नहीं, बल्कि विकल्प और सम्मान का माध्यम बन चुका है। भारतीय युवा अधिकारों और अवसरों के साथ अब वैश्विक प्रतिभा है। यह ब्रेन ड्रेन नहीं, बल्कि ब्रेन सकुर्लेशन का युग है। यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत का एफटीए केवल व्यापारिक संधि नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए एक नवजागरण है, पर इस सुनहरे भविष्य की चाबी केवल गुणवत्तापूर्ण कौशल में छिपी है। यदि हम अपने युवाओं को श्रेष्ठता के मानक पर तैयार कर सकें तो वह दिन दूर नहीं जब भारतीय हुनर दुनिया की अर्थव्यवस्था की धड़कन बनेगा। यह समय अपनी कमियों को स्वीकारने और उन्हें वैश्विक दक्षता में बदलने का है।

आंखनदेखी

तुर्की के सरियार बांध में नल्लीहान क्षेत्र के जलाशय पर उड़ान भरते फ्लेमिंगो। वसंत के आगमन के साथ यहां विभिन्न पक्षियों की चहल-पहल बढ़ जाती है। गर्मियों में रहने वाले ये पक्षी सर्दियों के दौरान दक्षिण की ओर पलायन कर जाते हैं, जिससे यह इलाका पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षण बनता है।

मारवाड़ियों के मातृभूमि प्रेम पर सरकारी विश्वास का संकट!

निरंजन परिहार @ मुंबई

गोड़वाड़ विकास की नई करवट ले रहा है। बड़ी कंपनियां बड़े प्लान लेकर पहुंच रही हैं। बड़े ब्रांड बड़े यूनिट लगा रही हैं। ह्यसेलोह्ल ने शानदार शुरूआत की है। ह्यकिलरह्ल के कदम बढ़ रहे हैं। कुछ और कंपनियां भी कमर कस रही हैं। रोजगार की उम्मीद का माहौल है। पिछली अशोक गहलोत सरकार ने पहल की। कुछ भरोसे जगे, कुछ दरवाजे खुले और मारवाड़ के उद्योगपति मातृभूमि की ओर लौटे। गोड़वाड़ की ओर। धीरे - धीरे, संभल कर। क्योंकि यहां विकास का सच कड़वा है। इतिहास भी डराता है। मारवाड़ में बिजली सपनों में, पानी पाताल में और अफसर अदृश्य लुटरे। सड़कें गड्ढों में और परिवहन सुविधा भी भगवान भरोसे। फिर भी खुशी है कि प्रवासी मुनाफे से ज्यादा माटी के मोह में बंधे आ रहे हैं। गहलोत सरकार गई, तो सहयोग भी शून्य पर आ गया। अब उम्मीद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आश्वासन पर है।

सरकारें आई, विकास नहीं आया

पचास साल पहले गोड़वाड़ में उद्योग लगे थे। फालना फलित हुआ। रानी ने रफ्तार पकड़ी और सुमेरपुर संपन्न हुआ। वह दौर था मोहनलाल सुखाड़िया का। तब उद्योग छोटे थे, लेकिन उम्मीद बड़ी। फिर एक लंबा सन्नाटा। सालों तक नया कुछ नहीं। उल्टे औद्योगिक इकाइयां बंद होती गईं। फालना के छाते देश भर में बिकते थे। रानी के गैती झ फावड़े हर खेत की शान। लेकिन एक-एक कर ताले लगते गए। सरकारें देखती रहीं। किसी ने सुध नहीं ली। हरिदेव जोशी आए, भैरोंसिंह शेखावत आए, जगन्नाथ पहाड़िया भी आए। शिवचरण माथुर आए और वसुंधरा राजे भी। अफसरों के बोरियां - बिस्तर सिमटते रहे, मुख्यमंत्री बदलते रहे। लेकिन गोड़वाड़ की किस्मत नहीं बदली। कांग्रेस की और बीजेपी दोनों की सरकारें आती रहीं, जाती रहीं। घोषणाएं होती रहीं, वादे मिलते रहे। गोड़वाड़ चुपचाप विकास की बाट जोहता रहा। मगर, विकास नहीं आया।

उद्योग के लिए आने लगे प्रवासी

गोड़वाड़ की तस्वीर बदल सकती अगर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सचमुच ठान लें। अगर बुनियादी सुविधाएं मिल जाएं। अगर वक्त पर पूरा पानी मिले और जरूरत के जितनी बिजली मिले। अगर सड़कें सुधरें, परिवहन दुरुस्त हो और अफसर सहयोग करें। हम जानते हैं कि पहले प्रवासी केवल छुट्टियों में मारवाड़ आते थे। कोई अपने पैसे से मंदिर बनवाने या अस्पताल खुलवाने। कोई स्कूल या कॉलेज का निर्माण करवाने, तो कोई बस स्टेंड से लेकर हॉस्टल बनवाने के लिए और कोई गावों में मेडीकल कैंप लगवाने। लेकिन उद्योग लगाने की परंपरा 50 साल बाद लौटी है। ह्यसेलोह्ल के संस्थापक घीसूलाल बदामिया समाजसेवी थे। गोड़वाड़ से उनको गहरा लगाव था। तो, प्रदीप राठोड़ ने पिता का सपना पूरा करने की पहल की। वे फालना में अपने ह्यसेलोह्ल का प्लांट लेकर पहुंचे हैं।

गहलोत विश्वास, भजनलाल भरोसा

मारवाड़ियों का मातृभूमि प्रेम भी गजब है। वे मुंबई में मौत झ मरगत के संदेसे में भी अपने गांव को प्राथमिकता देते हैं - मरुधर में ह्यफलाणाह्ल गांव। इसी प्रेम में बंधे प्रवासी फिर मारवाड़ लौट रहे हैं। उद्योग ला रहे हैं, क्योंकि अपनी माटी पर भरोसा है। भरोसे की यह उम्मीद अशोक गहलोत ने जगाई थी। प्रवासियों से विश्वास का रिश्ता बनाया था, लेकिन गहलोत सरकार चली गई। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैं। उन्होंने सहयोग का भरोसा दिया है। मुंबई में, पुणे में, सूरत में, अहमदाबाद में। चेन्नई, बैंगलुरू और हैदराबाद में भी। जयपुर में तो एक बार नहीं, कई कई बार मुख्यमंत्री से प्रवासियों की मुलाकातें हुई हैं। हर बार सरकार से भरोसा मिला। भरोसा यह कि बिजली पूरी मिलेगी। भरोसा यह कि पानी की सप्लाई नहीं रुकेगी। भरोसा यह कि सड़कें सुधरेंगी, ट्रांसपोर्टेशन सुचारू होगा और सबसे खास बात यह कि घूसखोर अफसर परेशान नहीं करेंगे, यह भी भरोसा मिला है। अब परीक्षा भजनलाल के भरोसे की है।

निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

ह्यसेलोह्ल ने सांस ली, तूफान बाकी

सरकार जानती है कि उद्योग लगेंगे, तो रोजगार मिलेगा, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और विकास होगा। लेकिन सरकार को यह भी जानना होगा कि उद्यमियों का मातृभूमि प्रेम तभी बढ़ेगा, जब सब कुछ सही होगा। अभी तो केवल ह्यसेलोह्ल ने सांस ली है, उसका तूफान अभी बाकी है। ह्यकिलरह्ल ने भी कदम बढाए हैं। लेकिन ह्यमॉटेक्सह्ल, ह्यजीएमह्ल, ह्यइंस्पिराह्ल, ह्यप्लेयरह्ल, ह्यभारतह्ल, ह्यकल्पतरूह्ल, ह्यटोरसोह्ल, ह्यवरणीह्ल, जैसे ब्रांड अभी बाकी है। भरोसा बना रहा तो गोड़वाड़ खुशहाल होगा। लेकिन बिजली, पानी, सडक, ट्रांसपोर्टेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और अफसरशाही का हाल जैसा है, वही रहा, तो उद्यमी निराश होगा। और इस बार अगर फिर मुंह मोड़ लिया, तो याद रखना, पिछले पचास साल से गोड़वाड़ विकास को जैसे तरस रहा है, अगले सौ साल और तरसता रहेगा। क्योंकि देश बहुत बड़ा है, जहां सुविधाएं मिलेंगी, उद्यमी वहीं अपने उद्योग खड़े करेंगे। ठेका अकेले कोई मारवाड़ का ही तो नहीं है!

प्रेरक प्रसंग

दोस्त की सलाह

एक घने जंगल में एक विशाल बरगद का पेड़ था। उसी पेड़ की ऊंची डाल पर एक कौवा अपनी पत्नी के साथ रहता था। दोनों का जीवन सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन उनके सुख में एक बड़ी बाधा थी। जब भी कौवी अंडे देती, पेड़ के नीचे बने एक खोखले कटोरे में रहने वाला काला सांप चुपके से ऊपर चढ़ आता और सारे अंडे खा जाता। यह घटना बार-बार होने लगी, जिससे कौवा और उसकी पत्नी बेहद दुखी और चिंतित रहने लगे। एक दिन परेशान होकर कौवा अपने मित्र लोमड़ी के पास गया और अपनी पूरी व्यथा उसे सुनाई। लोमड़ी बुद्धिमान थी। उसने कौवे को धैर्य रखने को कहा और बोली, चिंता मत करो, मैं कोई न कोई उपाय जरूर सोचूंगी जिससे उस सांप को सबक मिल सके। यह कहकर उसने कौवे को अगले दिन फिर मिलने के लिए बुलाया। अगले दिन जब कौवा लोमड़ी के पास पहुंचा, तो लोमड़ी ने उसे एक योजना बताई। उसने कहा, तुम पास के गांव में किसी सुनार की दुकान पर जाओ और वहां से एक कीमती हार उठाकर उड़ आओ। फिर उस हार को सांप के बिल या कटोरे में डाल देना। लेकिन ध्यान रखना कि तुम ऐसा करो कि सुनार के सिपाही तुम्हारे पीछे-पीछे आते हुए उस पेड़ तक पहुंच जाएं। कौवे को यह योजना थोड़ी अजीब लगी, लेकिन उसे अपने दोस्त की बुद्धि पर भरोसा था। वह तुरंत गांव की ओर उड़ गया। वहां उसने एक सुनार की दुकान के बाहर रखा हुआ हार उठाया और तेजी से उड़ चला।

■ जैसा कि लोमड़ी ने कहा था, सिपाही उसके पीछे दौड़ पड़े। कौवा उन्हें पेड़ तक ले आया और हार को सीधे सांप के कटोरे में डाल दिया। जब सिपाही वहां पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि हार उस कटोरे में पड़ा है। एक सिपाही उसे निकालने के लिए पेड़ पर चढ़ा और जैसे ही उसने कटोरे में हाथ डाला, एक बड़ा जहरीला सांप बाहर निकल आया। खतरे को देखते ही सिपाही ने तुरंत अपनी बंदूक से गोली चलाई और सांप को मार गिराया।

■ इसके बाद वह हार लेकर वापस सुनार के पास चला गया। इस प्रकार, लोमड़ी की चतुराई और सूझबूझ से कौवे को अपने सबसे बड़े शत्रु से हमेशा के लिए छुटकारा मिल गया। अब वह और उसकी पत्नी बिना किसी डर के अपने अंडों की रक्षा कर सकते थे और खुशी-खुशी रहने लगे। सीख : जो काम बल या हथियार से नहीं हो सकता, वह बुद्धिमानी और सही योजना से आसानी से किया जा सकता है।

राशिफल

मेष- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

वृषभ-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

मिथुन- प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

सिंह- विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या- लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। धैर्य रखें। शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

तुला-पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शुभ समय। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे।

वृश्चिक- दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

धनु- आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें।

मकर- व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कुंभ- व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन-आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

बिहार का नाम बदलकर श्रमिक प्रदेश रख दे भाजपा : तेजस्वी यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार से बड़े पैमाने पर पलायन और श्रमिकों की स्थिति को देखते हुए 'श्रमिक दिवस' का नाम बदलकर 'बिहार समर्पित दिवस' या बिहार का नाम 'श्रमिक प्रदेश' कर दिया जाना चाहिए।

■ तेजस्वी यादव ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश निर्माण में मजदूरों का योगदान अतुलनीय रहा है, लेकिन उनके उत्थान और बेहतरी पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो रही है। यादव ने कहा कि श्रमिकों, उनके परिवारों और गांवों के विकास के बिना विकसित भारत की कल्पना करना संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों का सीधा असर मजदूरों एवं कामगारों पर ही पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले 21 वर्षों से राजग सरकार की गरीब विरोधी नीतियों के कारण ही प्रतिवर्ष बिहार से लगभग चार करोड़ लोग काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते है। पलायन संबंधित यह तथ्यपरक आंकड़ा भयावह है।

■ तेजस्वी ने कहा कि दूसरे राज्यों में 'बिहारी' को कभी गोली तो कभी गाली दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहारियों को मिल रही इस पीड़ा की जिम्मेदार राजग सरकार है। नोटबंदी, लॉकडाउन और अन्य आर्थिक परिस्थितियों में भी सबसे अधिक प्रभावित प्रवासी मजदूर ही हुए हैं। राजद नेता यादव ने कहा कि वर्तमान में गैस सिलेंडर संकट के कारण भी मजदूरों पर असर पड़ा है और कई लोग वापस बिहार लौट रहे हैं, लेकिन उनके रोजगार की समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि बिहार के मजदूर दूसरे राज्यों में काम नहीं करेंगे तो वहां की फैक्ट्रियां भी प्रभावित होंगी।

■ यादव ने तंज कसते हुए कहा कि नाम बदलने में माहिर भाजपा नेताओं को खासकर बिहार के मुख्यमंत्री को 'श्रमिक दिवस' का नाम बदलकर 'बिहार समर्पित दिवस' या बिहार का नाम 'श्रमिक प्रदेश' कर देना चाहिए, क्योंकि राज्य श्रमिकों की आपूर्ति में अग्रणी है। तेजस्वी यादव ने श्रमिक दिवस के अवसर पर सभी से बिहार से पलायन रोकने और श्रमिकों के जीवन में सुधार लाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बंगाल चुनाव

आज 15 मतदान केंद्रों पर होगी दोबारा वोटिंग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बंगाल में दो चरणों में सभी 294 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो चुके हैं। 4 मई को वोटों की गिनती होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने 2 मई को बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया है। अनियमितताओं की शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने बंगाल के डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम निर्वाचन क्षेत्रों के 15 बूथों पर पुनर्मतदान की घोषणा की है। इससे पहले राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने संकेत दिए थे कि दक्षिण 24 परगना सहित कुछ संवेदनशील इलाकों में ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा वोटिंग कराई जा सकती है।

दवाइयां बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट, 6 लोग झुलसे...

हिंदमाता नेटवर्क @ तेलंगाना

तेलंगाना के नालगोंडा जिले में शुक्रवार को एक दवा फैक्टरी के संयंत्र में विस्फोट होने से छह लोग झुलस गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि चित्याल के पास स्थित दवा फैक्टरी के संयंत्र में दबाव के चलते विस्फोट होने का अंदेशा है। अधिकारी के मुताबिक, जब यह विस्फोट हुआ, उस समय आठ लोग फैक्टरी में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच लोग 10-15 प्रतिशत तक, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। अधिकारी ने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जम्मू में बड़ा हादसा

निर्माण कार्य के दौरान गिरा पुल, कई मजदूरों के दबे होने की आशंका

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ जम्मू

जम्मू के दोमाना के ठठर क्षेत्र में शुक्रवार को पुराने पुल के निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। निमार्णाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। घटना के समय वहां कई मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें से 5 से 7 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए और तुरंत बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। जबकि एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह, तहसीलदार जम्मू नॉर्थ अमन आनंद, एडीसी शेर सिंह राणा, एमएलए जम्मू नॉर्थ शाम लाल शर्मा और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी राहत कार्य में जुट गई हैं। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक एक शव बरामद किया गया है और दो मजदूर सुरक्षित बचा लिए गए हैं और चार के फंसे होने की आशंका है। एंबुलेंस भी मौके पर तैनात हैं और राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए हैं। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

300 बेड का अस्पताल, डिजिटल लेबर चौक ऐप

श्रमिक नए भारत के 'शिल्पकार' हैं: सीएम योगी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मजदूर दिवस पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नए भारत' के दृष्टिकोण में श्रमिक 'शिल्पकार' हैं। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के उत्थान के लिए उठाए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों को रेखांकित किया। 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' की शुरुआत के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक विषम परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम करते हैं और उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन्होंने दूसरों के लिए घर और शौचालय बनाए, उनके पास अक्सर ऐसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सरकारों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए काम किया है। कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में देश भर में लगभग चार करोड़ घर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 65 लाख शामिल हैं। राज्य में लगभग 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गरीबों को मिलने वाला राशन पहले लोग चट कर जाते थे।

300 बेड का अस्पताल, डिजिटल लेबर चौक ऐप की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण से जुड़ी कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रमिकों को डिजिटल लेबर चौक ऐप और 300 बेड वाले ईएसआईसी अस्पताल की सौगात दी। साथ ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा में श्रमिकों के लिए हॉस्टल, डिस्पेंसरी और औद्योगिक सुविधाओं के विस्तार की भी घोषणा की।

श्रमिक गर्मी, बरसात, लू किसी भी परिस्थिति में रुकता नहीं है

उन्होंने कहा कि हमारा श्रमिक गर्मी, बरसात, लू कुछ किसी भी परिस्थिति में काम करता है और वह न रुकता है, न थकता है, न डिगता है। आपके पसीने की एक एक बूंद जब इस धरती पर पड़ती है, तो यह धरती माता सोना उगलने का काम भी करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि पहले यह एक 'विरोधाभास' था कि दूसरों के लिए घर बनाने वाले मजदूरों के पास अपना घर नहीं था।

सीएम ने छात्रों को टैबलेट, श्रमिकों को टूलकिट और प्रमाणपत्र वितरित किए

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने छात्रों को टैबलेट, श्रमिकों को टूलकिट और प्रमाणपत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ अब श्रमिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है। उनके बच्चे अटल आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं का भी लाभ उठा रहे हैं।

मुझे लोकतंत्र का पाठ न पढ़ाएं: सीएम हिमंत बिस्वा

पंकज नाथ @ असम

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 1 मई को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी पर तीखा हमला बोला। यह जवाब पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा से जुड़ी विवादित टिप्पणी और उस पर जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि उन्हें 'लोकतंत्र, सार्वजनिक विमर्श या शिष्टाचार' पर किसी से भी पाठ पढ़ने की जरूरत नहीं है। एक्स पर किए गए पोस्ट में सरमा ने लिखा कि मुझे लोकतंत्र, सार्वजनिक विमर्श या शिष्टाचार पर किसी से भी, खासकर ए.एम. सिंघवी से, कोई सबक नहीं चाहिए। शिष्टाचार और उनके साथ एक कमरे में रहना कभी संभव नहीं। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि एक निजी व्यक्ति को निशाना बनाए जाने का है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक ऐसी महिला, जिसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है, उसे राष्ट्रीय टेलीविजन पर बदनाम किया गया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए 'दूसरे देशों के फर्जी दस्तावेजों' का इस्तेमाल किया गया। सरमा ने यह भी दावा किया कि अदालतें इस मामले का संज्ञान लेंगी और दोषियों को सजा मिलेगी। उन्होंने लिखा कि मुझे विश्वास है कि अदालतें इस पर जल्द या देर से ध्यान देंगी और जो व्यक्ति फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर एक महिला की छवि खराब करने तथा चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा था, उसे दंडित किया जाएगा। सरमा ने सिंघवी पर सीधा संवाद से बचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर टिप्पणी करना आसान है, जहां वह जवाब देने के लिए मौजूद नहीं होते। यह बहस नहीं, बल्कि उस निष्पक्ष संवाद से बचना है, जिसकी आप वकालत करते रहे हैं।

बेटियां जब तक घर न पहुंचे, पुलिस चैन से नहीं सोएगी: सीएम सम्राट चौधरी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य में बढ़ती गोलीबारी और अपराध की घटनाओं के बीच नालंदा से डीएम और एसपी को सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को सख्त हिदायत दी है कि बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोपरि है। नालंदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन को तब तक मुस्तैद रहना होगा, जब तक बेटियां सुरक्षित अपने घर वापस न आ जाएं।

जीरो टॉलरेंस की नीति

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजकीय मेले का उद्घाटन

1 मई को मुख्यमंत्री ने नालंदा जिले के सरमेरा प्रखंड स्थित प्रणावा गांव में दो दिवसीय राजकीय मेले का शुभारंभ किया। इस मेले का आयोजन श्री शरण निवास महतो बाबा के विवाह उत्सव के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ कई जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

प्रशासनिक सुधारों पर जोर

सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने आम जनता को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार प्रशासनिक ढांचे को लगातार सुदृढ़ कर रही है। आने वाले समय में लोगों को थाना, अंचल (सर्किल) या ब्लॉक कार्यालयों से जुड़े अपने छोटे-बड़े कामों के लिए दर-दर नहीं भटकना पड़ेगा और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

तस्वीर पर चढ़ाएं माला

महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराध पर मुख्यमंत्री ने खास नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराध करने वालों के खिलाफ सीधे और सख्त एक्शन लें। उन्होंने कहा कि 10 साल, 15 साल की बच्चियों से जघन्य अपराध करने वाले आरोपियों को माला पहनाने की जरूरत नहीं है, बल्कि उनकी तस्वीर पर माला चढ़ाने जैसी कार्रवाई दिखाई जानी चाहिए, जिससे पूरे प्रशासनिक तंत्र में सख्ती का संदेश चला गया।

अकाली दल का भगवंत मान पर विधानसभा में शराब पीकर आने का आरोप, स्पीकर ने खारिज किया

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित तौर पर शराब पीकर विधानसभा पहुंचने पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।दरअसल अकाली दल ने भगवंत मान पर विधानसभा में शराब पीकर आने का आरोप लगाया है, जिसे स्पीकर ने खारिज किया है। अकाली दल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री कथित तौर पर नशे की हालत में विधानसभा पहुंचे। अकाली दल ने मांग की है कि मुख्यमंत्री का सार्वजनिक रूप से डोप टेस्ट कराया जाए, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। हालांकि, इन आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री या राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को शुरू होंगी उड़ानें

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई सफर का सपना 15 जून को पूरा होने जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत की यात्रियों को नोएडा एयरपोर्ट से यात्री सुविधाओं के अलावा कार्गो की सुविधा उपलब्ध हो सकेंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान इंडिगो एयरलाइंस की होगी। उड़ान कहां के लिए होगी और किस समय होगी इसको लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइन जल्द ही घोषणा करेंगी।

28 मार्च को हुआ था उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। इसके बाद जल्द ही यहां से घरेलू और कार्गो सेवाओं के शुरू होने के कयास लगाए जा रहे थे। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 15 जून से उड़ानों के संचालन की घोषणा की है।

उड़ानों की समय सारणी जल्द होगी घोषित

यापल के अधिकारियों ने बताया कि वाणिज्यिक सेवाओं के शुभारंभ से पहले हवाई अड्डे का सुरक्षा ढांचा, प्रणालियां और संचालन प्रक्रियाएं नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप पूरी कर ली गई हैं। इंडिगो एयरलाइंस नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान संचालित करेगी। जिसके बाद जल्द ही अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी उड़ान भरेंगी। एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों के लिए शुरू होने वाली उड़ानों की समय सारणी, गंतव्यों और यात्री सेवाओं के बारे में जल्द यात्रियों को जानकारी दी जाएगी।

पर्यटन, व्यापार और निवेश के अवसर खुलेंगे

नोएडा एयरपोर्ट आधुनिक टर्मिनल, बुनियादी ढांचा, कुशल संचालन और मजबूत मल्टीमाडल कनेक्टिविटी का संगम है। वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और व्यापक क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और निवेश के नए अवसर प्रदान करेगा।

पंजाब में श्रमिकों की हुई बल्ले-बल्ले!

13 साल लंबे इंतजार के बाद न्यूनतम मजदूरी में 15% का इजाफा

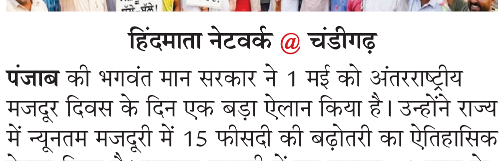

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

पंजाब की भगवंत मान सरकार ने 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के दिन एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने राज्य में न्यूनतम मजदूरी में 15 फीसदी की बढ़ोतरी का ऐतिहासिक ऐलान किया है। न्यूनतम मजदूरी में यह इजाफा 13 साल के लंबे अंतराल के बाद हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री मान ने राज्य विधानसभा में कहा कि मैं उनके न्यूनतम वेतन में 15% की वृद्धि की घोषणा करता हूं। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रदेश में यह बदलाव पूरे 13 साल के लंबे अंतराल के बाद किया गया है, जिसका उद्देश्य महंगाई के दौर में मेहनतकश वर्ग को आर्थिक संबल प्रदान करना है। यह बढ़ा हुआ वेतन सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के सभी मजदूरों पर लागू होगा। अब इस फैसले से प्रदेश के लाखों अकुशल और कुशल श्रमिकों के वेतन में सीधा इजाफा होगा। उनकी टेक होम सैलरी बढ़ने से उनकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकेगी।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी है। इस मामले में 30 अप्रैल 2026 को लंबी बहस के बाद जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने यह फैसला दोनों पक्षों की दलीलों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद अपना निर्णय सुनाया। पवन खेड़ा ने कानूनी कार्यवाही के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जहाँ से अब उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा मिल गई है।

सरकार का पक्ष और सॉलिसिटर जनरल की दलील

असम सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हिरासत में पूछताछ का समर्थन किया। मेहता ने आरोप लगाया कि यह मामला आधिकारिक दस्तावेजों के फर्जी निर्माण से जुड़ा है। जांच में सामने आया है कि पासपोर्ट सील और क्यूआर कोड जैसे आधिकारिक चिह्नों के साथ छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि ये दस्तावेज किसने तैयार किए और क्या इस साजिश में अन्य लोग या कोई 'विदेशी लिंक' भी शामिल है, विशेषकर चुनाव के समय। उन्होंने आरोप लगाया कि खेड़ा जांच से बच रहे हैं और अधिकारियों की पहुंच से बाहर रहकर वीडियो जारी कर रहे हैं।

मामले की पृष्ठभूमि

यह मामला तब शुरू हुआ जब पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट और अघोषित विदेशी संपत्ति है। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुरुआत में उन्हें ट्रांजिट बेल दी थी, लेकिन बाद में मामला गौहाटी उच्च न्यायालय और अंततः सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। शीर्ष अदालत ने अब खेड़ा को राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उनकी स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि है।

हिंदमाता एंकरः ओवरटेक करने के चक्कर में हुई दुर्घटना, घायलों को राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, सिपाही पर घायल महिला के गहने और पैसे झपट लेने का आरोप

शाहजहांपुर में 60 यात्रियों से भरी बस पलटी, बुद्ध पूर्णिमा पर जा रहे थे गंगा नहाने; 25 अस्पताल में भर्ती

हिंदमाता नेटवर्क @ शाहजहांपुर

यूपी के हरपालपुर से 60 यात्रियों को बैठाकर फरुर्खाबाद आ रही प्राइवेट बस शाहजहांपुर के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में गांव रघुनाथपुर के पास शुक्रवार को ओवरटेक करने के दौरान पलट गई। इससे 25 यात्री घायल हो गए। इनमें 11 को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य वहीं उपचार हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री बुद्ध पूर्णिमा के चलते पांचाल घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे।

यात्रियों ने चालाक से कहा था- सही से चलाओ बस, पर उनसे एक न सुनी

हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई। इससे चीख पुकार मच गई। पुलिस व आसपास के ग्रामीणों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें 25 यात्री घायल हो गए। एंबुलेंस से 11 घायल यात्रियों को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। इनमें से नौ को भर्ती कर लिया गया। दो यात्रियों को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी होने पर एसीएमओ डॉ. रंजन गौतम, एसडीएम सदर रजनीकांत पांडेय ने सीओ अभय वर्मा लोहिया अस्पताल में पहुंच कर मरीजों का हाल जाना है।

लोहिया अस्पताल में आए घायल

हरदोई थाना पाली के गांव पांडेयपुरवा निवासी राधिका(45), नन्हीं देवी (60), सवायजपुर गांव सलउद्दीपुर के विश्व प्रताप सिंह (31), मिलरगवां की उमाकांती (55), माहरेपुर की गुड्डी (55), रामदेवी (65), अनुष्का (8) पुत्री प्रदीप पाल, नंदबाग के रामलड़ैते (47), जदुवीर सिंह (60), गोकुल बेहटा के गांव रामपुर मानपुर के रंजीत सिंह, अमरेखा के राजू (30) को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला के कुंडल व 6 हजार रुपए सिपाही ने नहीं दिए

लोहिया अस्पताल में भर्ती हरदोई जिले के थाना सवायजपुर क्षेत्र के गांव मिरगवां निवासी घायल उमाकांती के पुत्र राहुल ने बताया कि बस पलटने पर उनकी मां के कुंडल व छह हजार रुपए वहीं गिर गए थे। बस से निकालने के दौरान एक सिपाही ने कुंडल व रुपए उठा लिए थे। मांगने उसने कहा कि पहले अस्पताल जाकर इलाज कराओ बाद में थाने आकर ले जाना। पर जब राहुल रुपए व कुंडल मांगने गया तो सिपाही ने रुपए व कुंडल लेने से ही इनकार कर दिया। इससे परेशान व्यवस्था कोसता रहा।

निशाने पर दक्ष चौधरी, अभिषेक ठाकुर और पिंकी चौधरी जैसे नेता!

गला रेतकर हत्या और ग्रेनेड हमले की थी साजिश

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

यूपी एटीएस ने नोएडा से तुषार चौहान उर्फ हिज्बुल्लाह अली खान और समीर खान को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद बट के कहने पर हिंदूवादी नेताओं की गला रेतकर हत्या करने की साजिश रची थी। इनके निशाने पर दक्ष चौधरी, अभिषेक ठाकुर, पिंकी चौधरी, युद्धी राणा और गौरव राजपूत जैसे नेता थे। पाकिस्तानी गैंगस्टर और आईएसआई (ISI) के मेजर रैंक के अधिकारियों के संपर्क में रहकर इन्होंने संवेदनशील स्थानों और हिंदू संगठनों के दफ्तरों की रेकी की थी। एटीएस ने आरोपियों के पास से पाकिस्तान से भेजी गई पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं।

Sameer Khan

Tushar @ Hijbulla

धर्मांतरण कर बना हिज्बुल्लाह अली खान

पकड़ा गया तुषार चौहान, शहजाद भट्टी से इतना प्रभावित था कि उसने इस्लाम धर्म कबूल कर अपना नाम हिज्बुल्लाह अली खान रख लिया था। उसने भट्टी के नाम पर कई इंस्टाग्राम आईडी बनाई थीं। इन लोगों ने अपने नेटवर्क में कई अन्य लड़कों को भी शामिल करना शुरू कर दिया था। पूछताछ में पता चला है कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने ही इन्हें टारगेट किलिंग का काम सौंपा था, जिसे एटीएस ने समय रहते नाकाम कर दिया।

पाकिस्तानी आकाओं के सीधे संपर्क में थे संदिग्ध

एटीएस की जांच में सामने आया है कि तुषार और समीर सिर्फ गैंगस्टर शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि आईएसआई के मेजर हमीद और मेजर इकबाल के साथ भी कॉन्फ्रेंस कॉल पर रहते थे। ये बातचीत के लिए 'पुश टू टॉक' (PTT) और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करते थे। आरोपियों ने हिंदू संगठनों के दफ्तरों की तस्वीरें और लोकेशन सीधे पाकिस्तान भेजी थीं। इनका मकसद प्रभावशाली लोगों के घरों पर हैंड ग्रेनेड फेंकना और दहशत फैलाना था।

6 दिन की रिमांड पर पूछताछ शुरू

नोएडा से गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने दोनों संदिग्धों की 6 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर दी है। आज से शुरू हुई इस रिमांड के दौरान यूपी एटीएस की टीमें इनसे सघन पूछताछ करेंगी। एटीएस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके नेटवर्क में और कौन-कौन से लोग शामिल हैं और पाकिस्तान से हथियार भेजने का रूट क्या था।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत

इंडियन स्टेट वाले बयान के लिए FIR की मांग वाली याचिका खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन के मौके पर एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारी लड़ाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और इंडियन स्टेट से है। इस बयान में इंडियन स्टेट पर हंगामा मच गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी को देशविरोधी बताते हुए मोर्चा खोल दिया था। इसे लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर हुई थी। इस पर अब हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ओपन कोर्ट में अपना फैसला सुनाते हुए यह याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दायर की थी। सिमरन गुप्ता ने पहले संभल की चंदौसी कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ निगरानी की याचिका दाखिल की थी। चंदौसी कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को इस याचिका पर अपना फैसला सुनाया था। चंदौसी कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। चंदौसी कोर्ट के फैसले को सिमरन गुप्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में 8 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी। सुनवाई पूरी होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

इंदिरा भवन के उद्घाटन के मौके पर राहुल गांधी ने कहा था कि हमारी विचारधारा पुरानी है। हम आरएसएस की विचारधारा से लड़ते आ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा था कि अगर आपको लगता है कि हम बीजेपी या आरएसएस नाम वाले किसी राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं , तो आपने स्थिति सही से समझा नहीं है। बीजेपी और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम बीजेपी और आरएसएस के साथ ही इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं।

इस बार स्मार्ट मीटर तोड़े जा रहे, अगली बार EVM

प्रीपेड मीटर प्रोटेक्स पर अखिलेश यादव का योगी सरकार पर हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध प्रदर्शन को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार बिजली को लेकर भ्रष्टाचार रैकेट चला रही है। जनता ने चोरी पकड़ ली है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार बिजली में करप्ट रैकेट चला रही है, प्रीपेड मीटर की आड़ में टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करके जनता को लूट रही है। अब जनता ने उनकी चोरी पकड़ ली है। इस बार स्मार्ट मीटर तोड़े जा रहे हैं; अगली बार EVM

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में इजाफे पर कसा तंज

स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रोटेक्स

इससे पहले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में इजाफा पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया जताते हुए लिखा कि सिलेंडर महंगे नहीं होते; रोटी-थाली महंगी होती है। यह बात वही जानता है, जो खुद खरीदकर खाता है, वह नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सिलेंडर महंगा करना ही था, तो सीधे 1000 रुपये महंगा कर देते। 1000 में 7 रुपये कम करके ये BJP वाले किस पर एहसान कर रहे हैं? BJP 'महंगाई, बेरोजगारी, जॉबलेसनेस और रिसेशन' पर सेंसर मोशन कब लाएगी?

इससे पहले बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर लखनऊ में पार्टी ऑफिस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, "लोगों ने समय-समय पर जो ज्ञान दिया है, उसमें सबसे बड़ा योगदान भगवान बुद्ध का रहा है, जिन्होंने न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में अपना संदेश फैलाने का काम किया। आज जो देश शिखर पर हैं, उन्होंने भगवान बुद्ध के दिखाए रास्ते पर चलकर काम किया है। उनके दिए गए संदेश से बदलाव आया है।"

संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरा

उन्होंने कहा, "कुछ ताकतें हैं जो बाबासाहेब अंबेडकर के दिए गए संविधान और लोकतंत्र के लिए लगातार खतरा पैदा कर रही हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि 'बौद्ध भिक्षु' हमें सफल होने का आशीर्वाद देंगे।" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यूपी में भगवान बुद्ध से जुड़ी जगहों, चाहे वह लुंबिनी हो, सारनाथ हो या कुशीनगर, को भविष्य में समाजवादी पार्टी (सरकार) डेवलप करेगी। उन्होंने कहा कि इस डेवलपमेंट का मकसद "बहुजन समाज" के लोगों और भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलने वालों को दुनिया से जोड़ना है। मैत्रेय प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए यादव ने कहा, "कुछ लोग कुशीनगर में मैत्रेय प्रोजेक्ट नहीं चाहते थे, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट था।" उन्होंने कहा, "जब श्रीलंका और दुनिया के दूसरे हिस्सों से बौद्ध भिक्षु इस पहल में योगदान देना चाहते थे, तो समाजवादी सरकार ने पहले ही बड़े पैमाने पर ज़मीन ले ली थी और किसानों को मुआवज़ा दे दिया था। अगर वह प्रोजेक्ट पूरा हो गया होता, तो न केवल देश बल्कि दुनिया भर से लोग आते और भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलने का वादा करते, लेकिन, मौजूदा सरकार में, उस प्रोजेक्ट को आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है; उन्होंने इसे आगे नहीं बढ़ने दिया।"

'गरीब-गुरबा की पीठ पर यादवों की लाठी के निशान', बोले राजभर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सपा ने 'वोट हमारा, राज तुम्हारा' की नीति अपनाकर पिछड़ों को ठगा है। उन्होंने यादवों पर मुगलों-अंग्रेजों का सिपाही बनकर और दंगों के जरिए ओबीसी समाज को लड़ाने का आरोप लगाया। राजभर ने साफ किया कि वे अब लाठी नहीं खाएंगे और अपना राजनीतिक अधिकार लेकर रहेंगे। दरअसल, शुक्रवार को यूपी सरकार के मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सपा मुखिया अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। राजभर ने सवाल किया कि अखिलेश यादव गैर-यादव ओबीसी समाज को उनका हक आखिर कब देंगे। उन्होंने कहा, 'वोट हमारा, राज तुम्हारा' अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि पहले दंगे करवाकर, समाज को आपस में लड़वाकर ओबीसी राजनीति की गई। उन्होंने कहा कि इतिहास में अखिलेश यादव के समाज का किसी विदेशी ताकत से संघर्ष का उल्लेख नहीं मिलता है। राजभर ने आरोप लगाया कि पूर्व में मुगलों और अंग्रेजों की सेना में सिपाही बनकर हमें पीटा गया, दबाया गया। अब समाज को आपस में लड़ाकर राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। मंत्री ने आगे कहा कि उनका इतिहास महाराजा सुहेलदेव राजभर और रानी अवंती भाई लोधी जैसे वीरों का इतिहास है। राजभर समाज अपना राजनीतिक अधिकार लेता रहेगा। उन्होंने दावा किया कि गरीब-गुरबा की पीठ पर यादवों की लाठी के निशान हैं। अब अखिलेश यादव की सत्ता के लिए वे दरी नहीं बिछाएंगे।

हज के नाम पर जज को ठगा

ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए 24 लाख

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां हज यात्रा के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में खास बात यह रही कि ठगों ने माननीय विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) को ही निशाना बना डाला। शिकायत मिलते ही साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कार्रवाई शुरू की और मामले का खुलासा कर दिया। जानकारी के अनुसार, लखनऊ की अलफहाद ट्यूरिज्म कंपनी के डायरेक्टर आमिर रशीदी समेत अन्य आरोपियों ने हज यात्रा कराने के नाम पर करीब 23 लाख 99 हजार रुपये ऑनलाइन प्राप्त कर लिए। रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने यात्रा की कोई व्यवस्था नहीं की और कॉन्टैक्ट करने पर लगातार टालमटोल करते रहे। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित कंपनी के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर साइबर क्राइम टीम ने जांच तेज की। प्रभारी निरीक्षक इंद्रेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए लखनऊ निवासी दो अभियुक्त ओसामा रशीदी और एजाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और ठगी गई रकम की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया। वहीं आम लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अनजान व्यक्ति से सावधान रहें, ओटीपी या बैंकिंग जानकारी साझा न करें और किसी भी साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

यूपी में आंधी-बारिश और बिजली का कहर

2 दिन में 24 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिन में बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने की प्राकृतिक आपदा में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। वहीं, 16 पशुओं की भी जान चली गई है। कई जिलों में तेज हवाओं और बिजली ने लोगों के घरों और खेतों को भी नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई हिस्सों में अचानक तेज हवाएं चलने के साथ मौसम बदला और बिजली चमकने के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान कुछ जगहों पर पेड़ उखड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे भी हादसे हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश और बिजली गिरने से हुई घटनाओं पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। सीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि घायलों को तुरंत अच्छा इलाज मुहैया कराया जाए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मरने वालों के परिजनों, घायलों और पशुओं की मौत पर होने वाले नुकसान का मुआवजा 24 घंटे के अंदर दे दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, नुकसान का जायजा लेने और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए हैं।

अब तक कितना मुआवजा दिया गया?

आग से नुकसान: 8 जिलों (बराबंकी, बलिया, बांदा, महाराजगंज, मथुरा, पीलीभीत, रामपुर और सोनभद्र) में 111.134 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। जिनमें 668 किसान प्रभावित हुए। जिसमें से 51 किसानों को 1,81,963 रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है।

ओलावृष्टि से नुकसान: 13 जिलों (मथुरा, जालौन, हरदोई, बुलंदशहर, औरैया, संभल, शाहजहांपुर, आगरा, अलीगढ़, कन्नौज, ललितपुर, सहारनपुर और उन्नाव) में 38,369.72 हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई। जिसमें 1,07,104 किसान प्रभावित हुए। जिनमें से 23,983 किसानों को 14 करोड़ 92 लाख 60 हजार 448 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया है।

अत्यधिक बारिश से नुकसान: 9 जिलों (कानपुर देहात, शाहजहांपुर, रामपुर, जालौन, बुलंदशहर, गोंडा, मथुरा, पीलीभीत और सहारनपुर) में 1,358.678 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। जिसमें 3,920 किसान प्रभावित हुए। जिनमें से 1,849 किसानों को 1 करोड़ 9 लाख 87 हजार 132 रुपये दिए जा चुके हैं।

सरकार ने कहा है कि फसल क्षति का आकलन करने की प्रक्रिया को और तेज किया जा रहा है। बाकी प्रभावित किसानों को भी जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि राहत कार्य में कोई लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि हर प्रभावित परिवार और किसान को समय पर मदद मिलनी चाहिए।

मौसम की मार से किसानों को भारी नुकसान

राज्य सरकार ने हाल ही में ओलावृष्टि, आंधी, आग और अत्यधिक बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया भी तेज कर दी है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारी मैदान में उतरकर फसल क्षति का तुरंत आकलन करें और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत राशि पहुंचाएं।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 15 जून से शुरू होंगी उड़ानें

शुरुआत में 17 फ्लाइट्स उड़ेंगी

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने शुक्रवार को आधिकारिक घोषणा करते हुए जानकारी दी है कि यहां से 15 जून 2026 से व्यावसायिक विमान सेवाएं शुरू होंगी। पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके तुरंत बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगे।

शुरुआत में 17 फ्लाइट्स उड़ेंगी

एयरलाइंस कंपनियों ने शुरुआत में एयरपोर्ट से 17 फ्लाइट्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। एप्रूवल के बाद अब टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए।

भरेगी सरकार की जेब

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के साथ सरकार की आय का बड़ा स्रोत बनने जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) को प्रति यात्री लगभग 496 रुपये की आय होगी। अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में इस एयरपोर्ट से कुल कमाई एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। एयरपोर्ट परियोजना के चलते आसपास के क्षेत्रों में जमीन की मांग तेजी से बढ़ी है।

करीब 70 फ्लाइट के प्रस्ताव पूर्व में मिल चुके

यही वजह है कि एयरपोर्ट प्रबंधन जून के मध्य तक उड़ान शुरू होने की बात कह रहा है। यीडा व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल सेवाएं शुरू हो सकें। इसके लिए हर संभव प्रयास यापल और नायल के स्तर पर किया जा रहा है। एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने के लिए वर्तमान में करीब 70 फ्लाइट के प्रस्ताव पूर्व में मिल चुके हैं। इससे कमोबेश सभी प्रमुख शहरों के लिए उड़ान यहां से शुरू होनी हैं। इंडिगो के अलावा अकासा एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेसवे के भी प्रस्ताव इन उड़ान के लिए हैं। जल्दी ही उड़ान यहां से शुरू हो सकेंगी।

28 मार्च को नोएडा एयरपोर्ट का हुआ था लोकार्पण

28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटन हो चुका है। यहां घरेलू और कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का काम जारी है। प्रथम चरण में एयरपोर्ट को 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इसमें 3900 मीटर लंबा पहला रनवे, यात्री टर्मिनल, एटीसी, कार्गो हब शामिल है।

अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम सामने आए

यीडा के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ यमुना सिटी क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। केवल जमीन लेकर काम न करने वाली इकाइयों पर सख्ती के अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस यह एयरपोर्ट वर्ष 2060-61 तक एक लाख करोड़ रुपये की आय वाला केंद्र बनेगा।

शॉर्ट स्टोरी

नीतीश कुमार बनेंगे लालू यादव के पड़ोसी, खाली कर रहे CM आवास

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

साल 2014 में कुछ महीनों को छोड़ दें, तो पिछले 20 साल से भी अधिक समय से पटना का एक अणे मार्ग नीतीश कुमार का पता रहा है। अब यह पता बदलने जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद अब मुख्यमंत्री आवास भी खाली करने जा रहे हैं। नीतीश कुमार का सामान शुक्रवार को ट्रैक्टर के जरिये एक अणे मार्ग से ले जाने का काम तेज गति से शुरू हो गया। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद भी अभी तक नीतीश कुमार सीएम हाउस में ही रह रहे हैं। अब नीतीश कुमार 7, सर्कुलर रोड आवास में शिफ्ट होंगे। बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अपने नए आवास में 2 मई को ही शिफ्ट हो सकते हैं। नीतीश कुमार पहले भी इस बंगले में रह चुके हैं। साल 2014 के आम चुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) की हार के बाद नीतीश कुमार ने जब मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ी थी और जीतनराम मांझी को सत्ता सौंपी थी, तब भी वह इसी बंगले में रहे थे। पटना के 7, सर्कुलर रोड आवास को नीतीश कुमार के लिए तैयार कर दिया गया है। इस बंगले के प्रवेश द्वार और परिसर को फूल-माला से सजा दिया गया है। इसे इस बात का संकेत माना जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कभी भी नए बंगले में गृह प्रवेश कर सकते हैं। नीतीश कुमार के इस बंगले में शिफ्ट होने के बाद मुख्यमंत्री आवास के मेंटेनेंस का काम होगा। मुख्यमंत्री आवास में मेंटेनेंस का काम पूरा होने के बाद सीएम सम्राट चौधरी उसमें शिफ्ट करेंगे।

शादी में शामिल होने ससुराल गया था युवक, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब साली की शादी में शामिल होने आए जीजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान सरैया थाना क्षेत्र के बासुदेवा गांव निवासी 28 वर्षीय संजीत ठाकुर के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और निष्पक्ष जांच की मांग की। घटना जिले के देवरिया थाना क्षेत्र के चांदपुरा गांव की है। जानकारी के अनुसार संजीत ठाकुर दो दिन पहले अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ ससुराल गया था। गुरुवार को मटकोर की रस्म और शुक्रवार को शादी का कार्यक्रम होना था। पूरे परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन अचानक संजीत की मौत की खबर से खुशियां मातम में बदल गईं। मृतक के ससुर लगनदेव ठाकुर जब शव लेकर बासुदेवा गांव पहुंचे तो आक्रोशित परिजनों ने उन्हें घेर लिया और हत्या का आरोप लगाया। मृतक के भाई अनिल कुमार ने बताया कि संजीत दूसरे प्रदेश में कारपेंटर का काम करता था और साली की शादी में शामिल होने के लिए घर लौटा था। परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष लगातार उस पर महंगे सामान और दो लाख रुपये नकद लाने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि उससे लहंगा, ड्रेसिंग टेबल समेत कई सामान खरीदवाए गए और बाद में दो लाख रुपये की मांग की गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि संजीत ने अपनी जान को खतरा बताते हुए फोन पर अपने मामा को भी इसकी जानकारी दी थी। परिवार का आरोप है कि संजीत के साथ बर्बरता की गई। उनके मुताबिक हाथ तोड़ दिए गए और आंख में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पहले तबीयत खराब होने की बात कही गई, फिर मोबाइल फोन बंद कर दिया गया। यह भी आरोप है कि संजीत की पत्नी के साथ मारपीट की गई, जिससे वह बेहोश हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही देवरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को बुलाकर जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। सरैया एसडीपीओ गरिमा ने बताया कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

22 साल की पत्नी 55 साल के ग्राम प्रधान संग फरार

हिंदमाता नेटवर्क @ झांसी

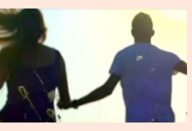

झांसी के मऊरानीपुर क्षेत्र से हैरान कर देने वाली कहानी सामने आई है। यहां 22 साल की महिला 33 साल बड़े प्रेमी के साथ फरार हो गई। जिस प्रेमी संग महिला भागी है, वह गांव का प्रधान है। महिला के पति ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। उसने कहा कि पत्नी घर से लाखों की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात भी ले गई है। यह मामला मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ले का है। यहां रहने वाले युवक ने पुलिस से शिकायत की है। इसमें कहा है कि उसकी शादी वर्ष 2024 में हुई थी। शुरुआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन धीरे-धीरे रिश्ते में दरार आने लगी। युवक का आरोप है कि गांव के प्रधान का उसके घर आना-जाना बढ़ गया था। इसी दौरान प्रधान और उसकी पत्नी के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। इसी वजह से विवाद होने लगा। उसने कई बार इस रिश्ते का विरोध किया, लेकिन उसकी बात को नजरअंदाज कर दिया गया। युवक का कहना है कि 29 अप्रैल की शाम उसकी गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी प्रेमी के साथ घर से चली गई। वह जाते समय घर में रखे करीब 2 लाख 40 हजार रुपये कैश और सोने-चांदी के जेवर भी ले गई। मोहल्ले के कुछ लोगों ने दोनों को साथ जाते हुए देखने की बात कही है। पीड़ित ने कहा कि वह अपनी पत्नी के साथ रह रहा था, लेकिन गांव के प्रधान की वजह से रिश्ता खराब हो गया। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने लगा था। हाल ही में पत्नी घर आई, कुछ देर रुकी और फिर प्रधान उसे अपने साथ ले गया। पीड़ित का कहना है कि उसे न्याय चाहिए। इस मामले को लेकर जल्द से जल्द कार्रवाई हो। वहीं मऊरानीपुर थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत मिली है। इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिंदमाता एंकर: वह उसे केवल पीटता ही नहीं था, बल्कि गुस्से में आकर उसके शरीर के अंगों को जलती हुई सिगरेट से जला देता था। फरहा ने सालों तक दर्द इस उम्मीद में सहा कि शायद वक्त के साथ उसका पति सुधर जाएगा

12 साल तक सिगरेट से दागा पत्नी का शरीर, फिर 3 तलाक, हैवान पति की कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के नागफनी में एक महिला ने पुलिस को शिकायत देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने बताया कि उसे 12 वर्षों तक अपने ही घर में नर्क जैसी प्रताड़ना झेलनी पड़ी। घरेलू हिंसा का यह मामला न केवल शारीरिक चोटों तक सीमित है, बल्कि इसमें मानसिक और भावनात्मक क्रूरता की भी सारी हदें पार कर दी गई हैं। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति शराब और जुए की लत में इस कदर डूबा हुआ था कि वह इंसानियत भूलकर हैवानियत पर उतारू हो जाता था। वह अक्सर नशे में धुत होकर घर आता और बिना किसी कारण के अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। जुल्म की इंतहा तब हो गई जब उसने अपनी पत्नी को जलती हुई सिगरेट से दागना शुरू कर दिया। प्रताड़ना का सिलसिला सालों तक चलता रहा, लेकिन समाज और परिवार के डर से महिला सब सहती रही। हाल ही में आरोपी ने अपनी क्रूरता की चरम सीमा पार करते हुए पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे गैरकानूनी तरीके से तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। अब न्याय की गुहार लेकर पीड़िता पुलिस के पास पहुंची है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्परता दिखाई है और आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मुरादाबाद की यह घटना एक बार फिर सोचने पर मजबूर करती है कि आज भी समाज के कुछ हिस्सों में महिलाओं की स्थिति कितनी असुरक्षित है। पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मामले में कार्रवाई जारी है।

निकाह के बाद शुरू हुआ प्रताड़ना का दौर

पीड़िता फरहा परवीन ने पुलिस को अपनी शिकायत में आपबीती सुनाते हुए लिखा कि उसका निकाह लगभग 12 साल पहले मुगलपुरा निवासी बिलाल के साथ हुआ था। शादी के शुरुआती दिनों के बाद ही बिलाल का व्यवहार बदलने लगा था। उसे शराब और जुए की ऐसी लत लग गई कि घर में आए दिन कलह रहने लगी। फरहा के अनुसार, बिलाल अपनी हार और नशे का गुस्सा अक्सर उस पर निकालता था। वह उसे केवल पीटता ही नहीं था, बल्कि गुस्से में आकर उसके शरीर के अंगों को जलती हुई सिगरेट से जला देता था। फरहा ने सालों तक दर्द इस उम्मीद में सहा कि शायद वक्त के साथ उसका पति सुधर जाएगा और उसके बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा, लेकिन बिलाल की आदतों में कोई सुधार नहीं आया। हद तब हो गई जब उसने तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया।

आधी रात को हमला और तीन तलाक की धमकी

जुल्म की हद 26 अप्रैल की रात को पार हो गई। उस दिन करीब सवा ग्यारह बजे आरोपी बिलाल अचानक फरहा की मौसी के घर में घुस आया, जहां वह रह रही थी। वहां उसने न केवल फरहा के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की, बल्कि उसे बेरहमी से पीटा भी। इसी विवाद के दौरान उसने फरहा को तीन तलाक दे दिया। पीड़िता की शिकायत पर जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि नागफनी थाने में बिलाल के खिलाफ मारपीट, प्रताड़ना और तीन तलाक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की गहन जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश की संसद में गूंजा बंगाल का एग्जिट पोल

सांसद अख्तर हुसैन ने कहा- बीजेपी जीती तो...

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

पश्चिम बंगाल के आने वाले चुनावी नतीजों की चर्चा पड़ोसी बांग्लादेश की संसद में हो रही है। पश्चिम बंगाल के नतीजे आने से पहले बांग्लादेश के सांसद अख्तर हुसैन ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल में बीजेपी जीतती हुई दिख रही है, अगर BJP पश्चिम बंगाल में सरकार बनाती है, तो वे सभी बांग्लादेशियों को वापस भेज देंगे, इससे बांग्लादेश के लिए रिफ्यूजी संकट पैदा हो जाएगा। भारत में 4 मई को पांच राज्यों के रिजल्ट आएंगे। ये राज्य हैं- पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी। 29 अप्रैल को चुनाव समाप्त होने के बाद आए एग्जिट पोल में लगभग चार एजेंसियों ने पहली बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सत्ता आने का अनुमान लगाया है। टुडेज चाणक्य ने बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को 192 से ज़्यादा सीटें मिलने का अनुमान जताया है। जबकि सत्ताधारी टीएमसी को लगभग 100 सीटें मिल सकती हैं। बता दें कि बीजेपी ने इस बार के बंगाल विधानसभा में घुसपैठियों के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है और कहा है कि बीजेपी एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालेगी। गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेशी सांसद के इस बयान को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा है, ₹बांग्लादेश के सांसद अख़्तर हुसैन ने आज बांग्लादेश की संसद में कहा कि भाजपा की पश्चिम बंगाल की जीत घुसपैठ को रोकेगी और बांग्लादेशी मुसलमानों को भगाएगी,यह खतरनाक है। तृणमूल कांग्रेस के मददगार धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा का चुनाव हुआ था। नतीजे 4 मई को आएंगे।

NCP का भारत विरोधी रुख

बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी का गठन शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन करने वाले छात्र नेताओं द्वारा किया गया था। यह पार्टी अपनी स्थापना के समय से ही मुखर होकर भारत विरोधी रुख अपनाए हुए है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने भड़काऊ बयान देते हुए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी तक दी है। राजनीतिक रूप से NCP ने जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों के साथ गठबंधन किया है, जो ऐतिहासिक रूप से भारत विरोधी एजेंडे के लिए जाने जाते हैं।

हिमंता सरमा के बयान से बांग्लादेश खफा

भारतीय उच्चायुक्त को ढाका में किया तलब

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया है और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। UNB न्यूज़ सर्विस के मुताबिक, एक अधिकारी ने बताया कि महानिदेशक (दक्षिण एशिया) इशरत जहां ने गुरुवार को भारतीय राजनयिक को बांग्लादेश का पक्ष बताया। पिछले हफ़्ते एक सोशल मीडिया पोस्ट में सरमा ने कहा था कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। सरमा ने कहा था, ₹बदतमीज़ लोग नरम भाषा नहीं समझते। हम असम से घुसपैठियों को बाहर निकालते वक्त इस बात को लगातार याद रखते हैं। 20 अवैध बांग्लादेशियों को कल रात वापस भेज दिया गया।

'भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए अपमानजनक...'

इशरत ने भारतीय राजनयिक से कहा कि इस तरह के बयान दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना को कमज़ोर करते हैं। अधिकारी ने इन बयानों को बांग्लादेश-भारत संबंधों के लिए अपमानजनक बताया और ढाका की नाराज़गी ज़ाहिर की। इशरत जहां ने संवेदनशील द्विपक्षीय मुद्दों पर बात करते वक्त संयम बरतने की अहमियत पर जोर दिया। साल 2024 में हसीना सरकार के गिरने के बाद, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। फरवरी में हुए संसदीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत के बाद तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने पर, भारत और बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

नाकेबंदी का असर, अब ट्रेन से चीन को तेल भेजेगा ईरान

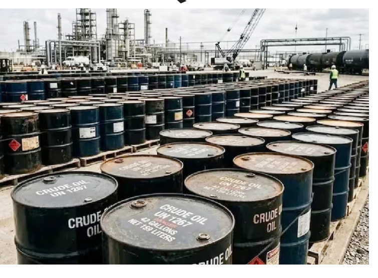

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से नाकेबंदी को हटाने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। उनके मुताबिक ये नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने का सबसे बड़ा हथियार है। ऐसे में ईरान दूसरे विकल्पों के जरिए चीन तक तेल पहुंचाने की तैयारी में है। ट्रंप ने ईरान के बिना किसी परमाणु समझौते के होर्मुज खोलने के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया है। होर्मुज बंद होने का असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल रहा है। इस तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गई हैं। चीन अपनी तेल जरूरतों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आयात करता है। नाकाबंदी का असर चीन और ईरान के बीच आयात-निर्यात पर पड़ रहा है। ऐसे में ये नाकाबंदी ट्रंप की चीन यात्रा को भी प्रभावित कर सकती है।

रेल के जरिए चीन को तेल भेजने की तैयारी

ईरान चीन को तेल निर्यात के नए विकल्प तलाश रहा है। फार्स न्यूज एजेंसी की मानें तो ईरानी शिपिंग एसोसिएशन का कहना है कि व्यापार के लिए खोजे जा रहे वैकल्पिक रास्ते पर्याप्त नहीं हैं। ईरान रेल के जरिए चीन को तेल भेजने और सड़क मार्ग से पाकिस्तान और काकेशस से खाद्य सामग्री लाने की भरपूर कोशिश कर रहा है। हालांकि, आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 40 प्रतिशत व्यापार ही इन रास्तों पर मोड़ा जा सकता है, जो अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए कम है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान के खिलाफ की गई सैन्य नाकेबंदी अब उनकी चीन यात्रा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली ट्रंप की मुलाकात में अब युद्ध के आर्थिक नतीजों पर विस्तार से चर्चा हो सकती है। चीन के लिए ये कूटनीतिक दौरा ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

ट्रंप के चीन दौरे से निकल सकता है हल

होर्मुत पर नाकाबंदी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मांग की है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सामान्य आवाजाही के लिए तुरंत फिर से खोला जाए। उनका कहना है कि बढ़ते वैश्विक आर्थिक जोखिमों को और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। डेविड डेस रोचेस जैसे विशेषज्ञों का कहना है कि रुकावट का मतलब नियंत्रण नहीं होता। जैसे-जैसे अमेरिका में 'वॉर पावर्स' की समयसीमा नजदीक आ रही है, ट्रंप पर सैन्य विकल्पों और तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर घरेलू राजनीतिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। अब सबकी निगाहें चीन यात्रा पर टिकी हैं, क्योंकि चीन इस युद्ध के समाधान के लिए एक सबसे अहम कड़ी बन गया है।

यूनुस ने अपने ही देश के बैंक को लगाया 100 करोड़ का चूना?

सत्ता जाने के बाद शुरू हो गए बुरे दिन

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश के पूर्व चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस बुरी तरह फंस गए हैं। उन पर 100 करोड़ टका के गलत इस्तेमाल का आरोप लगा है। बांग्लादेश की सरकार ने इसकी जांच शुरू कर दी है। यूनुस अगस्त 2024 से लेकर फरवरी 2026 तक बांग्लादेश के कार्यकारी प्रमुख थे। उन्हें शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया था। स्थानीय मीडिया के मुताबिक कुछ बैंकों ने यह आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में चुनाव के दौरान हुए जनमत संग्रह में उनके पैसों का इस्तेमाल किया गया। ये पैसे यूनुस सरकार के दबाव में दिए गए। सरकार ने गैर-कानूनी तरीके से बैंकों पर यह दबाव डाला था। जनमत संग्रह कराने का मकसद बांग्लादेश के संविधान को मजबूत करना था। यूनुस खुद इस अभियान को लीड कर रहे थे।

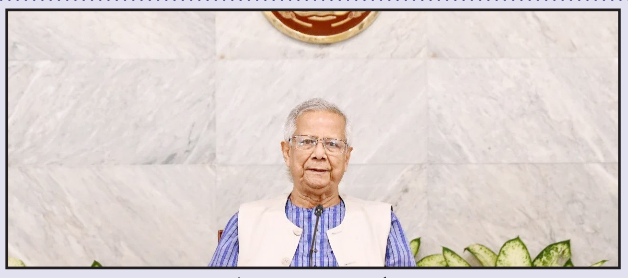

यूनुस पर क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं?

टाइम्स ऑफ बांग्लादेश ने बैंकों के हवाले से एक रिपोर्ट की है। इसके मुताबिक जनमत संग्रह के प्रचार के लिए यूनुस सरकार ने बैंकों के सीएसआर फंड से 100 करोड़ टका ले लिए। इन पैसों का इस्तेमाल यूनुस सरकार को खुश करने के लिए इस्तेमाल किया गया। दरअसल, यूनुस सरकार चाहती थी कि पूरे बांग्लादेश में जनमत संग्रह के पक्ष में वोट देने के लिए लोगों से अपील की जाए। इसके लिए कई एनजीओ की मदद ली गई। बैंकों का कहना है कि सरकार ने दबाव के तहत हमसे एनजीओ को पैसा दिलवाए। इस काम में सरकारी नियमों का भारी उल्लंघन हुआ, जिसके कारण बैंकों की स्थिति अब खराब हो गई है। बैंकों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यूनुस सरकार ने जनमत संग्रह के प्रचार के लिए ऐसे 3 संगठनों को पैसे देने के लिए कहा, जो संदिग्ध थे। इनमें एक संगठन फाउंडेशन डिबेट फॉर डेमोक्रेसी के पास आवश्यक दस्तावेज भी नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी दबाव में एसोसिएशन ऑफ बैंकर्स बांग्लादेश ने शुजान नामक संगठन को को 2.5 करोड़ टका और डिबेट फॉर डेमोक्रेसी को 21 लाख टका और एसएडी फाउंडेशन को 1 करोड़ टका दिए।

जनमत के प्रचार के लिए खर्च किए थे 142 करोड़ टका

रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने जनमत संग्रह के प्रचार के लिए 142 करोड़ टका खर्च किए थे। जनमत संग्रह के प्रचार के लिए 6 मंत्रालयों को काम पर लगाया गया था। हालांकि, जनमत संग्रह लागू होने के बाद भी बीएनपी की सरकार इसे अमल में नहीं ला रही है। तारिक रहमान की सरकार जनमत संग्रह के फैसलों को एक-एक कर पलटने का काम कर रही है।

कोहिनूर हीरे की चर्चा के बीच अमेरिका ने लौटाईं 133 करोड़ की प्राचीन मूर्तियां

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कोहिनूर हीरे की चर्चा के बीच अमेरिका ने भारत की 657 प्राचीन कलाकृतियां लौटा दी हैं। तीन चरण में लौटाए गए इन कलाकृतियों की अनुमानित कीमत 133 करोड़ है। ये प्राचीन धरोहरें तस्करी और चोरी के जरिए अमेरिका पहुंचा था, जिन्हें अमेरिका ने सद्भाव के तहत वापस कर दिया है। सरकारी सूत्रों ने इसकी जानकारी मीडिया को दी है। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय ने एक समारोह के दौरान इन कलाकृतियों को भारत को सौंप दिया। इसे वाणिज्य दूतावास की मदद से भारत लाया जाएगा। भारतीय महा वाणिज्यदूत बिनय प्रधान ने इसके लिए अमेरिकी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ये प्राचीन कलाकृतियां अमेरिका कैसे पहुंचीं?

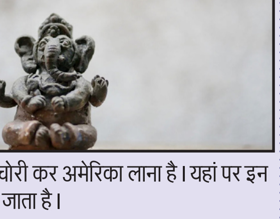

अमेरिकी अधिकारियों ने नैन्सी वीनर को 2020 के आसपास गिरफ्तार किया था। इसके बाद यह जानकारी मिली कि सुभाश कपूर के जरिए नैन्सी एक खतरनाक गिरोह चलाती हैं। इस गिरोह का काम भारत से प्राचीन मूर्तियों को चोरी कर अमेरिका लाना है। यहां पर इन मूर्तियों को काफी ज्यादा दामों में बेचा जाता है।

1. सबसे पहले गिरोह के लोग यह टारगेट तय करते थे कि कहां से कलाकृतियों को चोरी करना है। इसके लिए रेकी किया जाता था।
2. इसके बाद बिचौलिए को सेट किया जाता था। बिचौलिए का काम मंदिर या पुरातत्व स्थलों से मूर्तियों को चोरी कर लाना होता था। इस काम को काफी सावधानी से किया जाता था।
3. चोरी की गई कलाकृतियों को तस्करी नेटवर्क के जरिए अमेरिका भेजा जाता था। इसके बाद उसे वहां पर बेचने की प्रक्रिया शुरू होती थी।

जिन कलाकृतियों को बरामद की गई है। उनमें लाल बलुआ पत्थर से बनी बुद्ध की प्रतिमा है, जिसमें अभय मुद्रा को दर्शाया गया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के एक मंदिर से 2000 में लूटी गई नृत्य करते गणेश की बलुआ पत्थर की प्रतिमा भी इसमें शामिल हैं।

कोहिनूर को लौटाने की चर्चा क्या है?

ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स तृतीय अमेरिका दौरे पर गए हैं। इसी दौरान न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इसकी चर्चा छेड़ दी। ममदानी ने कहा कि अगर राजा मुझसे मिलते हैं तो मैं उनसे कहूंगा कि भारत का जो कोहिनूर हीरा आपके पास है, उसे लौटा दीजिए। ममदानी के इस बयान यूरोप और अमेरिका से लेकर एशिया तक की खूब चर्चा हुई।

अमेरिका में भारतीय छात्र ने किया सुसाइड

बेरोजगारी और भारी कर्ज से था परेशान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका में आंध्र प्रदेश के रहने वाले एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि मृतक ने हाल ही में पोस्ट-ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की थी और नौकरी न मिलने की वजह से मानसिक तनाव में था। उसके पिता एक सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हैं। मृतक की पहचान 26 साल के इरागानाबोयिना चंदू के तौर पर हुई है, जो आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले का रहने वाला था। उसने हाल ही में शिकागो से अपनी मास्टर डिग्री पूरी की थी और पिछले कई हफ्तों से नौकरी की तलाश कर रहा था। चंदू के परिवार के मुताबिक, लंबे समय तक बेरोजगार रहने की वजह से वो काफी तनाव में था। चंदू अपनी पारिवारिक स्थिति और पढ़ाई के लिए लिए गए कर्ज को लेकर काफी परेशान था। चंदू की मौत के बाद, अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय ने उनके माता-पिता की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। समुदाय ने एक ऑनलाइन फंड जुटाने का अभियान शुरू किया है, जिसका लक्ष्य 1,20,000 अमेरिकी डॉलर जुटाना है। दो दिनों के भीतर 76,500 डॉलर से ज्यादा की रकम जमा हो चुकी है।

पार्थिव शरीर भारत लाने के लिए जुटाया जा रहा फंड

इस अभियान के तहत चंदू के पार्थिव शरीर को भारत भेजना है जिसके लिए 25,000 डॉलर की जरूरत है। फंड जुटाने वाले पेज पर बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय परिवहन और कानूनी प्रक्रियाओं का खर्च परिवार के लिए उठाना मुमकिन नहीं था। फंड में जो पैसे बचेंगे उसक रकम का इस्तेमाल चंदू के की पढ़ाई का कर्ज जुटाने के लिए किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। फ्लाइट्स की कमी के वजह से चंदू के पार्थिव शरीर को रविवार तक भारत भेजा जा सकता है।

आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पहल

आंध्र प्रदेश और केंद्र सरकार ने भी इस मामले में त्वरित कार्रवाई शुरू की है। सोशल मीडिया पर आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश से सहायता मांगी गई थी। नारा लोकेश ने परिवार के लिए संवेदना जाहिर की है और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मदद के लिए कहा है।

हिंदमाता एंकर तुर्की पूर्वी भूमध्य सागर में अलग-थलग पड़ता जा रहा है। यह विमानवाहक पोत तुर्की के लिए एक अतिरिक्त क्षमता के साथ-साथ रणनीतिक जरूरत भी है

इजरायल ने तुर्की को बताया 'अगला ईरान', घबराए एर्दोगन को उठाना पड़ा ऐसा कदम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जब दुनिया का ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका की नाकेबंदी पर टिका हुआ है, तब तुर्की अपने पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर 'मुगेम' को बनाने में बिजी है। तुर्की की नौसेना के कमांडर एडमिरल एर्कुमेंट तत्लीओग्लू ने पिछले हफ्ते कहा कि यह एयरक्राफ्ट कैरियर अगले साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा जिससे इसकी चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा इसलिए भी तेज है क्योंकि यह तय समय से एक साल पहले ही पूरा हो रहा है जो दिखाता है कि तुर्की इजरायल के बढ़ते खतरे के बीच खुद को भविष्य के लिए तेजी से तैयार कर रहा है। यह एयरक्राफ्ट कैरियर तुर्की का अब तक का सबसे बड़ा युद्धपोत होगा। लगभग 60,000 टन के इस जहाज की लंबाई 285 मीटर होगी। यह चार्ल्स डी गौले (261 मीटर, 42,500 टन) से भी बड़ा होगा, जो अब तक भूमध्य सागर का सबसे शक्तिशाली प्रमुख युद्धपोत माना जाता रहा है। इसमें 60 विमान तैनात किए जा सकेंगे और इसे शॉर्ट टेक-ऑफ सिस्टम के साथ डिजाइन किया गया है। इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन अगस्त 2025 में तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने किया था। ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमलों के बीच तुर्की का इस प्रोजेक्ट में तेजी लाना बताता है कि तुर्की अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाकर अन्य देशों के खिलाफ मजबूत प्रतिरोधक शक्ति स्थापित करना चाहता है। तुर्की और इजरायल के बीच हाल के दिनों में तनाव काफी बढ़ गया है।

पूर्वी भूमध्य सागर में अलग-थलग पड़ा तुर्की

इजरायल-ईरान और अमेरिका के बीच दो दौर के युद्ध के बाद तुर्की ने अपनी एयर डिफेंस, मानव रहित प्लेटफॉर्म और पांचवीं पीढ़ी के कान फाइटर जेट प्रोजेक्ट में तेजी ला दी है। तुर्की की नौसैनिक शक्ति पर विशेषज्ञ मैसून यासर का कहना है कि ग्रीस और साइप्रस के साथ इजरायल की बढ़ती साझेदारी से तुर्की चिंतित है और इसी वजह से वो अपनी नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने पर काम कर रहा है। यासार के मुताबिक, भले ही ऐसे विमानवाहक पोत आमतौर पर खुले समुद्र के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन तुर्की 'मुगेम' को क्षेत्र में संभावित दुश्मनों को रोकने के एक साधन के रूप में देख सकता है। उन्होंने कहा, 'ग्रीक साइप्रस और इजरायल के बीच बढ़ते रिश्तों ने इस गठबंधन को काफी मजबूत बना दिया है और उनका रुख आक्रामक होता जा रहा है। तुर्की पूर्वी भूमध्य सागर में अलग-थलग पड़ता जा रहा है। यह विमानवाहक पोत तुर्की के लिए एक अतिरिक्त क्षमता के साथ-साथ रणनीतिक जरूरत भी है।' तुर्की में विमानवाहक पोत बनाने का विचार नया नहीं है। इसकी शुरुआत 1990 के दशक की शुरुआत में हुई थी। तुर्की नौसेना के पूर्व एडमिरल यान्की बागसियोग्लू ने बताया कि 1993 में खुले समुद्र में तैनाती की एक अवधारणा तैयार की गई थी, जिसमें हल्के विमानवाहक पोत, एम्फीबियस असॉल्ट जहाज और ट्रांसअटलांटिक शक्ति प्रदर्शन शामिल थे। उन्होंने कहा कि 2017 के आसपास नौसेना के भविष्य पर एक स्टडी के बाद यह प्रोजेक्ट आकार लेने लगा।

बढ़ेती तुर्की की ताकत

तुर्की के पूर्व राजदूत अल्पर कोस्कुन का कहना है कि यह प्रोजेक्ट दिखाता है कि तुर्की यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में मजबूत रक्षा उद्योग क्षमता के साथ अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि यह विमानवाहक पोत नाटो में तुर्की की स्थिति को मजबूत करेगा, खासकर तब जब अमेरिका अपने सहयोगियों से अधिक योगदान की मांग कर रहा है और यूरोप से दूरी बनाने के संकेत दे रहा है। उन्होंने कहा, 'इससे तुर्की की डील करने की ताकत बढ़ेगी लेकिन उसे इसकी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। इससे क्षेत्र में तनाव भी बढ़ सकता है और नए खतरे की धारणा पैदा हो सकती है।'

बिजनेस वर्ल्ड

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर, जल्द महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

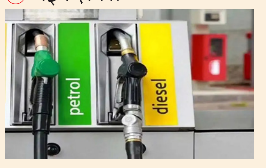

देश में जल्द पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, अब तक सरकार की ओर से कोई ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन सरकार ने देश में 1 मई 2026 से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 993 बढ़कर 3,071.50 हो गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, तेल कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण प्रति बैरल कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से ऊपर पहुंच गई है। तेल कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगा तेल खरीदना पड़ रहा है। इसके अलावा कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम पहले ही बढ़ चुके हैं। इसी को देखते हुए लग रहा है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, कीमतें कितनी बढ़ेंगी स्थिति साफ नहीं है। दूसरी ओर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। भारत ने घबराहट को नीति नहीं बनने दिया। देश के रसोईघरों में ईंधन की आपूर्ति नहीं रुकी। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई।

एयर इंडिया ने उड़ानों में की कटौती, 100 फ्लाइट कम करने का लिया फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

महंगे जेट फ्यूल ने भारतीय एविएशन सेक्टर की कमर तोड़ दी है और अब इसका सीधा असर फ्लाइट ऑपरेशंस पर दिखने लगा है। एयर इंडिया ने बढ़ती लागत के दबाव में रोजाना करीब 100 उड़ानें कम करने का फैसला लिया है। घरेलू और इंटरनेशनल दोनों रूट्स पर यह कटौती लागू होगी। खासतौर पर यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे रूट्स पर सेवाओं में बड़ी कमी देखने को मिलेगी। आज यानी 1 मई 2026 को भी मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में हुई बढ़ोतरी के चलते, अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के लिए जेट ईंधन (ATF) की कीमत में 76.55 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर की वृद्धि हुई है। जेट फ्यूल यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की लगातार बढ़ती कीमतों ने एयरलाइंस के लिए ऑपरेशन चलाना मुश्किल बना दिया है। इसी दबाव के चलते एयर इंडिया ने बड़ा फैसला लेते हुए रोजाना करीब 100 फ्लाइट्स कम करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में एयर इंडिया रोजाना लगभग 1,100 उड़ानें संचालित करती है, लेकिन जून के शेड्यूल में खासतौर पर इंटरनेशनल रूट्स पर भारी कटौती की तैयारी है। यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे प्रमुख रूट्स पर सेवाओं में कमी की जाएगी, जहां फ्यूल लागत सबसे अधिक पड़ रही है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव ने एयरलाइंस के मुनाफे पर गहरा असर डाला है। दिल्ली में ATF की कीमत मार्च के मुकाबले लगभग दोगुनी हो चुकी है, जिससे ऑपरेटिंग लागत तेजी से बढ़ी है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA), जिसमें इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट शामिल हैं, पहले ही सरकार को चेतावनी दे चुका है कि यदि लागत कम करने के लिए कदम नहीं उठाए गए, तो सेवाएं निलंबित करनी पड़ सकती हैं। हालांकि सरकार ने अप्रैल में घरेलू रूट्स पर कुछ राहत दी थी, लेकिन इंटरनेशनल ऑपरेशंस के लिए कोई खास कदम नहीं उठाया गया। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कई रूट्स पर एयरलाइन अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रही है। ऐसे में उड़ानों में कटौती करना मजबूरी बन गई है। स्थिति को और खराब करने वाला एक बड़ा कारण पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का बंद होना भी है। इसके चलते यूरोप और नॉर्थ अमेरिका जाने वाली फ्लाइट्स को लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे फ्यूल खपत और क्रू खर्च दोनों बढ़ गए हैं। ग्लोबल स्तर पर भी जेट फ्यूल की कीमतों में भारी उछाल आया है। अप्रैल के अंत तक औसत कीमत $179.46 प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो फरवरी के मुकाबले करीब 80% अधिक है। चूंकि फ्यूल एयरलाइंस की कुल लागत का लगभग 40% हिस्सा होता है, इसलिए इसकी कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर टिकट कीमतों और सेवाओं पर पड़ता है। एयर इंडिया को पहले ही 20,000 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है।

भारत वापस आया RBI का 104 टन सोना, क्या अब देश में सस्ते होंगे गहने?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में एक बड़ा कदम उठाते हुए विदेश में रखे अपने 104.23 मीट्रिक टन सोने को वापस भारत मंगा लिया है। मार्च 2026 में खत्म हुए छह महीनों के दौरान यह भारी-भरकम खेप देश की तिजोरियों में सुरक्षित पहुंचाई गई है। आम आदमी के मन में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब इतना सारा सोना देश में आ गया है, तो क्या सराफा बाजार में सोने के दाम धड़ाम हो जाएंगे? क्या अब निवेश या शादी-ब्याह के लिए गहने खरीदना सस्ता हो जाएगा? केंद्रीय बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल स्वर्ण भंडार में इस अवधि के दौरान मामूली सा इजाफा दर्ज किया गया है। सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 880.18 मीट्रिक टन था, जो मार्च 2026 तक बढ़कर 880.52 मीट्रिक टन हो गया। असली बदलाव सोने की कुल मात्रा में नहीं, बल्कि उसके पते में हुआ है। मार्च 2026 तक देश के भीतर सुरक्षित रखे गए सोने का आंकड़ा 290.37 मीट्रिक टन दर्ज किया गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में यह 575.82 मीट्रिक टन और मार्च 2025 में 511.99 मीट्रिक टन था। यह बात दिलचस्प है कि आरबीआई अपना पूरा सोना देश के भीतर नहीं रखता। मार्च 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, 197.67 मीट्रिक टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) की सेफ कस्टडी में मौजूद था। इसके अतिरिक्त 2.80 मीट्रिक टन सोना 'गोल्ड डिपॉजिट' के तौर पर विदेशी तिजोरियों में रखा गया। इसके पीछे एक बड़ी और मजबूत आर्थिक रणनीति काम करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना रखने से लिक्विडिटी यानी नकदी प्रवाह सुनिश्चित होता है। विश्व बाजार में सोने की ट्रेडिंग एक्टिव रहती है, इसलिए संकट के समय इसी सोने को विदेशी धरती पर गिरवी रखकर तुरंत डॉलर जुटाना आसान हो जाता है। वहीं, एक बड़े हिस्से को अपने देश में वापस लाने से रणनीतिक नियंत्रण मजबूत होता है और सिस्टम पर भरोसा बढ़ता है। वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं के दाम लगातार ऊंचाइयों पर हैं। इसी तेजी का सीधा असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी देखने को मिला है। बीते छह महीनों में भारत के कुल फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 13.92 प्रतिशत से उछलकर 16.7 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल 552.28 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा संपत्तियों में से एक बड़ा हिस्सा, यानी 465.61 अरब डॉलर विदेशी सिक्योरिटीज में निवेशित है। इसके अलावा 46.83 अरब डॉलर अन्य केंद्रीय बैंकों और बीआईएस में जमा हैं, जबकि 39.84 अरब डॉलर विदेशी वाणिज्यिक बैंकों के खाते में दर्ज हैं।

एक्सपायर्ड और खराब खाने का सामान बेचने पर FSSAI की बड़ी कार्रवाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आजकल हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए हम ऑनलाइन डिलीवरी ऐप्स पर निर्भर हो गए हैं। ग्रॉसरी से लेकर पैक्ड फूड तक, सबकुछ चंद मिनटों में घर के दरवाजे पर आ जाता है। लेकिन इस आधुनिक सुविधा के पीछे एक बड़ा जोखिम भी छिपा है। कई बार जल्दबाजी या निगरानी की कमी के चलते ग्राहकों को एक्सपायर्ड और खराब क्वालिटी का सामान थमा दिया जाता है। अब देश के शीर्ष खाद्य नियामक, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कंपनियों की इस मनमानी पर सीधा प्रहार किया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली एक ई-कॉमर्स कंपनी पर 6 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है। बाजार में यह लंबे समय से चिंता का विषय था कि कई ई-कॉमर्स ऑपरेटर अपनी बिक्री और डिलीवरी स्पीड बढ़ाने के चक्कर में क्वालिटी कंट्रोल को नजरअंदाज कर रहे हैं। FSSAI को भी इस बाबत उपभोक्ताओं की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को बेहद गंभीरता से लेते हुए, अथॉरिटी के नॉर्दर्न रीजनल ऑफिस ने एक विस्तृत जांच अभियान चलाया। इस पूरी जांच प्रक्रिया की निगरानी खुद आईपीएस अधिकारी देवेश कुमार महला ने की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर खुलेआम ऐसे खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे थे, जिनकी एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी या जो किसी भी तरह से खाने लायक नहीं बचे थे। यह सीधे तौर पर देश के फूड सेफ्टी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन था। खाद्य सुरक्षा कोई ऐसा व्यावसायिक मुद्दा नहीं है जिसे महज एक चेतावनी देकर छोड़ दिया जाए। जब केंद्रीय फूड सेफ्टी अधिकारियों ने इस मामले की गहराई से पड़ताल की, तो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 और इससे जुड़े कई अन्य नियमों की धज्जियां उड़ती हुई नजर आईं। मामला इतना संगीन था कि इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत गुरुग्राम के अतिरिक्त जिला आयुक्त (ADC) कोर्ट में पेश किया गया। पुख्ता सबूतों और नियमों के साफ उल्लंघन को देखते हुए कोर्ट ने संबंधित ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटर पर 6 लाख रुपये का अर्थदंड तय किया। यह जुर्माना पूरी ई-कॉमर्स और फूड डिलीवरी इंडस्ट्री के लिए एक सख्त संदेश है कि डिजिटल मुनाफे की आड़ में आम जनता के स्वास्थ्य को ताक पर नहीं रखा जा सकता।

कियारा आडवाणी का ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने के बाद एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में कियारा फिल्म 'द डेविल वियर्स प्रादा 2' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं, जहां उन्होंने रेड आउटफिट में सभी का दिल जीत लिया। कियारा ने अपने लुक की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का अंदाज देखते ही बन रहा है। कियारा का यह हॉट और ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर छा गया है।

■ तस्वीरों में कियारा आडवाणी एक बेहद आकर्षक और बोल्ड रेड हाई-स्लिट गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं। उनका यह आउटफिट एक परफेक्ट 'फेम फेटेल' लुक दे रहा है, जिसमें उनकी फिटनेस और कर्व्स बहुत खूबसूरती से उभरकर आ रहे हैं। इस ड्रेस का फुल स्लीव्स और हाई टर्टलनेक डिजाइन कियारा को एक रॉयल और एलिगेंट लुक दे रहा है। वहीं ड्रेस का बोल्ड थाई-हाई स्लिट इसमें जबरदस्त ग्लैमर का तड़का लगा रहा है।

■ कियारा का यह रेड कलर का फिटेड गाउन एक तरफ जहां सिंपल और सोबर है, वहीं इसका कट इसे बेहद बोल्ड बनाता है। कियारा ने अपने लुक को पूरा करने के लिए सुनहरे (गोल्डन) ब्रेसलेट्स और मैचिंग इयररिंग्स का इस्तेमाल किया है। कियारा ने न्यूड टोन लिपस्टिक और मिनिमल मेकअप के साथ अपने लुक को बैलेंस किया है, जो उनकी नेचुरल स्किन को निखार रहा है। उनके लंबे, खुले और हल्के कर्ली बाल उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना रहे हैं। तस्वीरों के बैकग्राउंड में सिनेमा हॉल की लाल कुर्सियां नजर आ रही हैं, जो इस फोटोशूट को एक बहुत ही शानदार और सिनेमैटिक लुक देती हैं।

■ कियारा के पोज और उनके चेहरे के एक्सप्रेशन बेहद कातिलाना हैं। वे कभी अपने बालों को पीछे करती हुई तो कभी कैमरे में सीधा देखती हुई शानदार पोज देती दिख रही हैं। कियारा की इन तस्वीरों पर फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। कमेंट बॉक्स में फैंस 'गॉर्जियस', 'क्वीन' और 'स्टनिंग' जैसे शब्दों से उनकी तारीफ कर रहे हैं। कियारा का यह फैशन सेंस साबित करता है कि वे हर बार अपने लुक्स के साथ एक नया ट्रेंड सेट करती हैं।

रितिका श्री तमिलनाडु की पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेट अंपायर बनीं

समाज में बदलाव की मिसाल पेश करते हुए 31 वर्षीय रितिका श्री तमिलनाडु की पहली पंजीकृत ट्रांसजेंडर क्रिकेट अंपायर बन गई हैं। लेकिन इसके पीछे संघर्ष और साहस की लंबी कहानी छिपी है। पिछले साल सितंबर में, कोयंबटूर के एक शैक्षणिक संस्थान में बतौर अंपायर अपने पहले मैच में पहुंचीं रितिका को सुरक्षाकर्मी ने गेट पर रोक दिया। गार्ड ने उन्हें वहां से भगा दिया। रितिका ने हिम्मत नहीं हारी और डटकर कहा कि वह अंपायरिंग के लिए आई हैं पर कोई नहीं माना। फिर अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें मौका दिया। यह उनका पहला मैच था, मौका जो उनके लिए खुशी का होना चाहिए था वो अपमान में बदल गया। रितिका ने कहा कि उस सुबह मैंने सवाल किया, एक ट्रांसजेंडर सामान्य जीवन क्यों नहीं जी सकता। उन्होंने लड़ाई लड़ी जिसमें कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (सीडीसीए) ने साथ दिया। लैंगिक समानता के प्रति जारूकगता बढ़ाई। अब हर मैच से पहले वेन्यू को मैसेज जाता है कि रितिका श्री अंपायरिंग करेंगी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

मैदान पर मुझे मैडम कहते हैं

रितिका कहती हैं कि मैदान पर मुझे मैडम कहकर पुकारा जाता है। मैंने एक भी टिप्पणी नहीं सुनी। अगले महीने रितिका तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की अंपायर परीक्षा देंगी। शुरू में फॉर्म में थर्ड जेंडर का विकल्प नहीं था पर रितिका के प्रयास से इसमें बदलाव हुआ है और तीसरे लिंग का विकल्प जोड़ दिया गया।

लॉकडाउन में गई जॉब तो चुनी अंपायरिंग

2019 में आईपीएल देखते हुए रितिका ने सोचा वह अंपायर बनेंगी। तब उनका नाम मुथु राज था। 2020 लॉकडाउन में आईटी जॉब चली गई तो उन्होंने सलेम जाकर अंपायरिंग शुरू की। हालांकि, लिंग बदलने के कारण साल भर क्रिकेट से दूर रहीं। वापसी पर अधिकारियों में तीसरे लिंग का विकल्प नहीं था। लेकिन सीडीसीए ने उनका शानदार रिकॉर्ड देखा और उन्हें शामिल कर लिया।

15 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'कर्तव्य'

जब सही काम करने की कीमत आपको वो सब कुछ चुकानी पड़े जो आपके दिल के करीब है, तब क्या होता है? इसी गहरे सवाल के साथ फिल्म कर्तव्य दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। निर्देशक पुलकित द्वारा लिखी और निर्देशित यह फिल्म 15 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

सैफ अली खान का दमदार किरदार, साथ में शानदार स्टारकास्ट

इस फिल्म में सैफ अली खान एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक नैतिक रूप से जटिल दुनिया में अपने कर्तव्य और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। उनके साथ रसिका दुग्गल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, और मनीष चौधरी जैसे अनुभवी कलाकार नजर आएंगे। वहीं, पत्रकार सौरभ द्विवेदी इस फिल्म से एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। अपनी जमीनी पृष्ठभूमि, दमदार अभिनय और गहरी कहानी के साथ 'कर्तव्य' दर्शकों को कर्तव्य और व्यक्तिगत सच्चाई के बीच के नाजुक संतुलन पर सोचने के लिए मजबूर करती है।

कर्तव्य बनाम परिवार की सुरक्षा

Red Chillies Entertainmemt के बैनर तले गौरी खान द्वारा निर्मित 'कर्तव्य' एक ऐसे पुलिस अधिकारी की कहानी है, जो अपने कर्तव्य के बोझ और अपने परिवार की सुरक्षा के बीच बढ़ते खतरों का सामना करता है। जैसे-जैसे सही और गलत के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है, फिल्म सत्ता, अपराधबोध और चुप्पी के परिणामों की गहरी पड़ताल करती है।

कठिन फैसलों की कहानी

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के सीईओ वें मैसूर ने कहा कि 'कर्तव्य' एक ऐसी कहानी है जो कर्तव्य, अंतरात्मा और कठिन परिस्थितियों में लिए गए फैसलों पर सवाल उठाती है। उन्होंने फिल्म की कहानी और कलाकारों के अभिनय की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावशाली और सच्ची आवाज वाली फिल्म बताया।

जमीनी सच्चाइयों से जुड़ी कहानी

रुचिका कपूर शेख, डायरेक्टर, ओरिजिनल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा कि 'कर्तव्य' एक सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी है, जो सही फैसले लेने की जटिलताओं को गहराई से दिखाती है। उन्होंने यह भी बताया कि यह फिल्म 'भक्षक' के बाद निर्देशक पुलकित के साथ उनकी दूसरी साझेदारी है, जो सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों को सामने लाती है।

इन अभिनेत्रियों ने पर्दे पर निभाए बेबाक और साहसी किरदार

वे दिन गए जब फिल्मों में अबला नारी को गुंडों से बचाने हीरो का इंतजार करना पड़ता था। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय सिनेमा ने कई शीरोज को निडर और बिंदास स्टाइल में अपनी लड़ाई लड़ते हुए देखा है। बंदूक चलाने से लेकर मुक्का मारने तक, हमारी महिलाएं यह सब कर सकती हैं। महिला प्रतिनिधित्व की कहानियों में बदलाव को दर्शाते हुए, अभिनेत्रियां ऐसे पावरफुल किरदार निभा रही हैं जो समाज की सशक्त महिलाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। यहां ऐसी ही महिला कलाकारों द्वारा किए गए कुछ सबसे प्रभावशाली प्रदर्शनों पर एक नजर डालते है...

आलिया भट्ट

ग्लैमरस छवि से हटकर, आलिया भट्ट ने उड़ता पंजाब में ग्रामीण, माइग्रेंट लड़की के रूप में एक बेहतरीन परफॉरमेंस किया। स्थितियों के अत्याचारों से ऊपर उठते हुए, आलिया का किरदार एक दिहाड़ी मजदूर से लेकर ड्रग तस्कर और उससे भी आगे तक की जंग में जमकर अपनी लड़ाई लड़कर महिलाओं की असली ताकत का प्रदर्शन करती है।

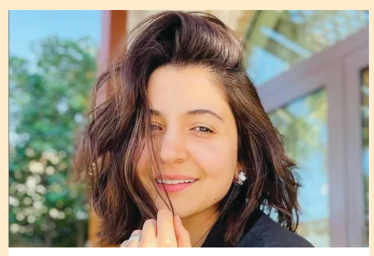

अनुष्का शर्मा

अपनी पिछली फिल्मों में चुलबुली, खुशमिजाज लड़की का किरदार निभाने के बाद, अनुष्का शर्मा ने अपने पहले प्रोडक्शन NH10 में धमाके के साथ इस परंपरा को तोड़ दिया। जेंडर स्टीरियोटाइप्स को चुनौती देते हुए, सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई की पृष्ठभूमि पर आधारित अनुष्का शर्मा के रॉ और पावर-पैक एक्शन दृश्यों ने दर्शकों से उनके परफॉर्मेंस के लिए प्रशंसा और प्यार अर्जित किया।

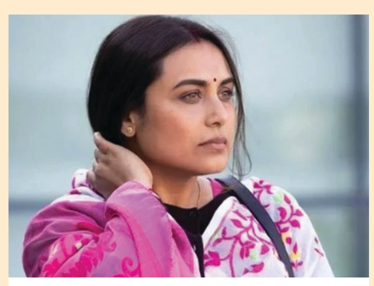

रानी मुखर्जी

मदार्नी में रानी मुखर्जी की शिवानी शिवाजी रॉय ने पुरुष-प्रधान पुलिस स्पेक्ट्रम की अव्यवस्था को तोड़ दिया। उसके निडर और सशक्त अंदाज के साथ देह व्यापार के रैकेट पर उसकी जीत दशार्ती कहानी को सबने प्यार दिया। एंग्री यंग वुमन व्यक्तित्व को प्रदर्शित करते हुए, रानी मुखर्जी की मदार्नी महिलाओं के लिए अपनी खुद की शीरो बनने का एक मजबूत संदेश थी।

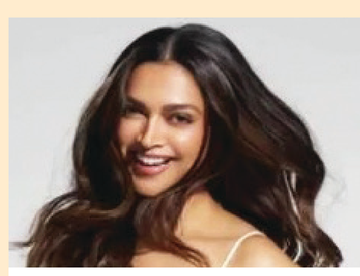

दीपिका पादुकोण

राम-लीला ने दीपिका पादुकोण को बिल्कुल नए अवतार में प्रस्तुत किया। अपने आचरण में बिंदास और बेबाक होने के कारण, लीला पूरी तरह से एक स्ट्रीट-स्मार्ट लड़की थी, जिसने अपनी लड़ाई सिर ऊंचा करके लड़ी। जुनून भरे रवैये को प्रदर्शित करते हुए, दीपिका ने समकालीन समाज की मॉडर्न, स्वतंत्र महिलाओं की प्रतिध्वनि के साथ, अत्यंत स्वैग के साथ वह सब कुछ किया जो उनके चरित्र की मांग थी।

राधिका मदान

अपने करियर की शुरुआत से ही अपरंपरागत भूमिकाएं चुनते हुए, राधिका मदान ने हाल के दिनों में कुछ सबसे बेबाक महिला किरदारों को चित्रित किया है। विशेष रूप से सास बहू और फ्लेमिंगो में, शांता के रूप में राधिका ने जुनून और हार्ड-कोर एक्शन के साथ-साथ एक नेचुरल स्वैग प्रस्तुत किया। जीवन को रानी जैसे जीने वाली, राधिका ने वास्तव में एक बिंदास किरदार निभाने के लिए जेंडर स्टीरियोटाइप को चुनौती दी।

जीवा महाला बन सलमान खान ने मचाया तहलका

सलमान खान भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं, जिनकी फिल्मों पर सिनेमाघरों में हमेशा सीटियां, तालियां और जबरदस्त फैन एनर्जी देखने को मिलती है। एक बार फिर सुपरस्टार ने सलमान खान ने रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में अपने दमदार कैमियो से दर्शकों को दीवाना बना दिया है, जहां वह जीवा महाला के किरदार में नजर आ रहे हैं।

■ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थिएटर वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही सलमान स्क्रीन पर आते हैं, फैंस जोश से झूम उठते हैं। दमदार बैकग्राउंड स्कोर के बीच हाई-ऑक्टेन सीन में वह अपने दुश्मन की गर्दन पर तलवार रखते हुए कहते हैं कि शिवाजी नहीं, शिवाजी राज म्हनायचा, और यह डायलॉग सुनते ही थिएटर तालियों और सीटियों से गूंज उठता है। रितेश देशमुख ने हाल ही में सलमान खान की राजा शिवाजी में कास्टिंग को लेकर एक दिल छू लेने वाली बात शेयर की। उन्होंने बताया कि मैं इस फिल्म के लिए उनके पास नहीं गया था। हम न्यू ईयर पर साथ थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं फिल्म की शूटिंग कब शुरू कर रहा हूं। मैंने कहा कि इस महीने शुरू हो रही है। फिर उन्होंने पूछा कि मैं कौन सा रोल कर रहा हूं?

■ रितेश ने आगे कहा कि इस बात ने उन्हें काफी भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका अपनापन, वह गर्मजोशी, वह भावना... मैं सोच रहा था कि मैंने अभी तक इस बारे में ठीक से सोचा भी नहीं था... लेकिन उन्होंने कहा कि मेरा इस फिल्म में रोल होना चाहिए। फिर एक रोल बना... और सलमान खान भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए। वहीं सुपरस्टार अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस की तैयारी में जुटे हैं। सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान द्वारा प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की दमदार कहानी पेश करेगी। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

चुनौती को मौके में बदलना जानते हैं रोहित-विराट : धवन

अपने करियर के आखिर में स्वयं सिर्फ वनडे मुकाबले खेलने वाले शिखर धवन समझते हैं कि मैच की कमी से लय कैसे बिगड़ सकती है। लेकिन उन्हें लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि 2027 विश्व कप से पहले उनके पास खेलने के लिए काफी मैच होंगे। स्वयं के अनुभव से सीखते हुए धवन ने माना कि मैच की कमी से खिलाड़ी की लय बिगड़ सकती है।

Ro-Ko की फिटनेस पर क्या बोले धवन?

धवन ने कहा, हां, जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं तो आपकी लय बिगड़ जाती है। इसलिए खिलाड़ी फिटनेस पर ध्यान देते हैं क्योंकि आप बहुत अधिक मैच नहीं खेल रहे होते। आप रोहित और विराट की बात कर रहे हैं और वे काफी समझदार खिलाड़ी हैं। यह एक चुनौती है लेकिन वे जानते हैं कि चुनौती को मौके में कैसे बदलना है। अगर आप उनकी फिटनेस देखें तो विराट हमेशा से फिट रहे हैं लेकिन रोहित ने अपनी फिटनेस में जबरदस्त बदलाव किया है।

धवन बोले- दोनों में मिलेंगे कई मौके

धवन ने कहा कि अगले वनडे विश्व कप से पहले इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लय में आने के काफी मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अब जब 2027 विश्व कप नजदीक है तो उन्हें खेलने के लिए बहुत सारे वनडे मैच मिलेंगे। अगर आप उस समय को देखें जब मैं सिर्फ एक ही प्रारूप का खिलाड़ी बन गया था तो उस समय लगातार टी20 विश्व कप (2021 और 2022) हो रहे थे और मैं वनडे प्रारूप में खेल रहा था जो कि बहुत कम होते थे। इसलिए रोहित और विराट के लिए मैच की कोई दिक्कत नहीं होगी और इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए अभी काफी समय है।

प्रीति जिंटा ने निभाए 'सिंगल मदरहुड' वाले यादगार किरदार

प्रीति जिंटा ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में की हैं और उनके कई रोल काफी पसंद भी किए गए हैं। लेकिन उनके किरदारों में एक चीज बहुत कॉमन थी जिसको कम लोगों ने नोटिस किया होगा। लेकिन आज हम आपको इसके बारे में बताते हैं। आपने शायद ध्यान ना दिया हो, लेकिन कई फिल्मों में उनका जो किरदार होता है वह प्रेग्नेंट जरूर होती है, लेकिन शादी नहीं होती है।

क्या कहना है

क्या कहना है फिल्म की स्टोरी काफी बोल्ड थी। यह मूवी साल 2000 में रिलीज हुई थी। इसमें दिखाया गया था कि कॉलेज जाने वाली लड़की एक लड़के के प्यार में पड़ जाती है और दोनों फइजिकली कमिट हो जाते हैं और वह प्रेग्नेंट हो जाती हैं। इसमें सैफ अली खान और प्रीति जिंटा लीड रोल में थे। इसमें भी प्रीति शादी से पहले प्रेग्नेंट हो जाती हैं।

सलाम नमस्ते

साल 2005 में रिलीज हुई सलाम नमस्ते में प्रीति जिंटा, सैफ अली खान के किरदार के साथ लिवइन में रहती हैं। इस दौरान वह प्रेग्नेंट हो जाती हैं। लेकिन शादी नहीं होती। फिल्म के स्टोरी एंड तक भी दोनों के किरदार की शादी नहीं होती है। हालांकि दोनों साथ हो जाते हैं।

चोरी चोरी छुपके छुपके

सलमान खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी की फिल्म चोरी चोरी छुपके छुपके साल 2001 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में प्रीति ने एक प्रॉस्टीट्यूट का किरदार निभाया था जो रानी मुखर्जी और सलमान खान के लिए सरोगेट बनती हैं। इसमें भी वह शादी से पहले प्रेग्नेंट हो जाती हैं।

जानेमन

जानेमन फिल्म में प्रीति, सलमान खान और अक्षय कुमार लीड रोल में थे। इस फिल्म में प्रीति का किरदार पति से अलग होता है और वह प्रेग्नेंट होती है। यह फिल्म साल 2006 में रिलीज हुई थी।

कृष

वहीं कृष फिल्म में उनका किरदार मैरिड तो होता है, लेकिन डिलीवरी के बाद वह मर जाती है। यह फिल्म साल 2006 में रिलीज हुई थी।

प्रीति की लास्ट फिल्म

प्रीति लास्ट फिल्म भैयाजी सुपरहिट में नजर आई थीं जो साल 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल और प्रीति जिंटा लीड रोल में थे। हालांकि फिल्म चली नहीं थी।

अपकमिंग फिल्म

अब प्रीति फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी जिसे राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं फिल्म में प्रीति के साथ सनी देओल ही लीड रोल में हैं। फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। प्रीति वैसे फिल्मों से दूर बच्चों और पति के साथ टाइम स्पेंड करती हैं। हालांकि वह आईपीएल मैच के दौरान काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी टीम पंजाब किंग्स इलेवन को सपोर्ट करने जरूर आती हैं।

संडे को डीडी नेशनल पर 'लव यू लोकतंत्र'

ज्यूरिख मीडिया हाउस एलएलपी अपनी हिंदी फिल्म लव यू लोकतंत्र इस रविवार शाम 6 बजे डीडी नेशनल पर रिलीज करने के लिए तैयार है, जो देश भर के दर्शकों के लिए एक तीखा पॉलिटिकल सटायर लेकर आएगी।

■ यह फिल्म आज की भारतीय पॉलिटिक्स पर एक मजेदार कहानी है, जिसमें ह्यूमर और रियलिज्म का मेल है। नॉर्थ इंडियन बोली के एक खास फ्लेवर के साथ, कहानी सरकार बनाने की एक दिलचस्प लेकिन कॉमिक कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक महिला चीफ मिनिस्टर, एक पुरुष वकील और एक महिला वकील के बीच पावर ट्रायंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सभी पॉलिटिकल दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कहानी तब और उलझ जाती है जब दो इंडिपेंडेंट विधायक जिनके पास सरकार बनाने की चाबी होती है वे रातों-रात रहस्यमय तरीके से किडनैप हो जाते हैं। इसके बाद वकीलों और पत्रकारों की लीडरशिप में स्ट्रैटेजी और माइंड गेम्स का एक रोलरकोस्टर होता है।

■ फिल्म की कास्ट में रवि किशन, ईशा कोप्पिकर, स्नेहा उल्लाल, मनोज जोशी, अली असगर, कृष्णा अभिषेक, सपना चौधरी, सुधीर पांडे, दयाशंकर पांडे, सुहासिनी मुळे, राज प्रेमी, हितेश संपत, प्रवीण कुमार और राज ओझा शामिल हैं। फिल्म में जन्या खंडपुर, शेफ हरपाल सिंह और प्रदीप भट्ट भी हैं, जबकि अमीत कुमार को इंट्रोड्यूस किया गया है। अभय निहलानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में ललित पंडित का म्यूजिक है, जिन्होंने एक शानदार साउंडट्रैक दिया है। गाने अमृता फडणवीस, दलेर मेहंदी, अभिजीत, शान और प्रतिभा बघेल जैसे जाने-माने सिंगर्स ने गाए हैं, और ये सुनने वालों के बीच पहले से ही पॉपुलर हो रहे हैं। एक्टर अमीत कुमार ने टेलीविजन प्रीमियर को लेकर अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमारी फिल्म डीडी पर रिलीज हो रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप